



श्री काशी विश्वनाथ पञ्चाङ्ग २०२५

Shree Kashi Vishwanath Panchang 2025

विक्रम संवत् २०८१-२०८२ "सिद्धार्थी" नाम संवत्सर

शक संवत् १९४७

Vikaram Samvat 2081-2082

Shak Samvat 1947



विश्व शक्ति दुर्गा मन्दिर

VISHVA SHAKTI DURGA MANDIR ASSOCIATION

55 CLAREY AVE., OTTAWA ON K1S 2R6 CANADA (Ph. 613-321-0675)

पंडित रविन्द्र नारायण पाण्डेय

Pundit Ravindra Narayan Pandey

Ph. 613-228-1305 Cell. 613-216-7575

ॐ भू भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं । भर्गो देवस्य धीमहि, धियो यो नः प्रचोदयात् ॥

सत् चित् आनन्दस्वरूप सृष्टिकर्ता प्रकाशमान परमात्मा के उस प्रसिद्ध वर्णीय तेज का (हम) ध्यान करते हैं, जो परमात्मा हमारी बुद्धि को (सत् की ओर) प्रेरित करे।

॥ पूजा निम्न विधि से करें ॥

ॐ अमुक देवम् / देवीम् आह्वयामि । Om Amuk Devam / Devim
Avahayami (offer a flower or rice akshat)
ॐ अमुक देवम् / देवीम् स्थापयामि । Om Amuk Devam / Devim
sthapayami (offer a flower or rice akshat)
ॐ अमुक देवम् / देवीम् पाद्यं समर्पयामि । Om Amuk Devam / Devim
Padyam samarpayami (offer a spoonful of water at the feet of God / Goddess)
ॐ अमुक देवम् / देवीम् अर्घ्यं समर्पयामि । Om Amuk Devam / Devim
Arghyam samarpayami (offer a spoonful of water)
ॐ अमुक देवम् / देवीम् आचमनीयम् समर्पयामि । Om Amuk Devam / Devim
Achamaniyam samarpayami (offer a spoonful of water)
ॐ अमुक देवम् / देवीम् पञ्चामृतम् समर्पयामि । Om Amuk Devam / Devim
Panchamrutam samarpayami (offer a spoonful of panchamrutam)
ॐ अमुक देवीम् / देवम् स्नानीयम् जलं समर्पयामि । Om Amuk Devam / Devim
Snaniyam Jalam samarpayami (offer a spoonful of water)
ॐ अमुक देवम् / अमुक देवम् वस्त्रोपवस्त्रम् समर्पयामि । Om Amuk Devam / Devim
Vastropavastram samarpayami (offer a dress or muli)
ॐ अमुक देवम् / देवीम् गन्धं समर्पयामि । Om Amuk Devam / Devim
Gandham samarpayami (offer a paste of Sandal or Roli)
ॐ अमुक देवम् / देवीम् अक्षतान् समर्पयामि । Om Amuk Devam / Devim
Akshatan Samarpayami (offer kumkum and rice)
ॐ अमुक देवम् / देवीम् पुष्पं समर्पयामि । Om Amuk Devam / Devim
Pushpam Samarpayami (offer flower / garland)
ॐ अमुक देवम् / देवीम् धूपं आघ्रापयामि । Om Amuk Devam / Devim
Dhoopam aghrapayami (light up the incense)
ॐ अमुक देवम् / देवीम् दीपं दर्शयामि । Om Amuk Devam / Devim
Deepam darshayami (light up the ghee and oil lamp)
ॐ अमुक देवम् / देवीम् नैवेद्यं निवेदयामि । Om Amuk Devam / Devim
Naivedyam Nivedayami (offer sweet and prasad)
ॐ अमुक देवीम् / देवम् ताम्बूलफलानि च समर्पयामि ।
Om Amuk Devam / Devim Tambulam phalani cha samarpayami
(offer beetal nut, Paan leaf and fruit)
ॐ अमुक देवम् / देवीम् नमस्कारान् समर्पयामि ।
Om Amuk Devam / Devim Namaskaran samarpayami
(offer namaskar with joined palms)
ॐ अमुक देवम् / देवीम् प्रदक्षिणा करोमि । Om Amuk Devam / Devim Pradakshina karomi
(while standing, move round clock-wise at the same spot thrice, with joined palms)
ॐ अमुक देवम् / देवीम् प्रार्थना मन्त्रपुष्पाञ्जलिं समर्पयामि ।
Om Amuk Devam / Devim Prarthana mantrapuspanjalim samarpayami
(while standing take some flowers in both hands together and offer the flowers)
त्वमेव माता च पिता त्वमेव, त्वमेव बन्धुश्च सखा त्वमेव । त्वमेव विद्या द्रविणं त्वमेव, त्वमेव सर्वं मम देव देव ॥
Twameva Mata Cha Pita Twameva, Twameva Bandhush Cha Sakha Twameva |
Twameva Vidya Dravinam Twameva, Twameva Sarvam Mam Deva Deva ||

Acharya Ravindra Narayan Pandey



FASTS & FESTIVALS 2025



प्रमुख पर्व और त्योहार सन् २०२५ ई०

JANUARY 2025

DAY DATE

Paush Mas-Maagh Mas Samvat 2081

पौष मास शुक्ल पक्ष – माघ मास संवत् २०८१

New Year's Day 2025 Wed. 01

ईसवी सन् २०२५ प्रारम्भ बुध. ०१

Vainayki Ganesh Chaturthi Vrat Fri. 03

वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत(पौष मास शुक्ल पक्ष) शुक्र. ०३

Shri Skand Shashthi (Kumar) Sat. 04

श्री स्कन्द षष्ठी (कुमार षष्ठी व्रत) शनि. ०४

MasikDurgaAshtami Vrat Mon. 06

मासिक दुर्गा अष्टमी व्रत (पौष मास शुक्ल पक्ष) सोम. ०६

Putrada Ekadashi Vrat (Paush) Thu. 09

पुत्रदा एकादशी व्रत (पौष मास शुक्ल पक्ष) गुरु. ०९

Vaikuntha Ekadashi Vrat (Paush) Thu. 09

वैकुण्ठ एकादशी व्रत (पौष मास शुक्ल पक्ष) गुरु. ०९

Tailang Swami Jayanti Thu. 09

तैलंग स्वामी जयन्ती गुरु. ०९

Kuram Dwadashi Fri. 10

कूर्म द्वादशी (पौष मास शुक्ल पक्ष) शुक्र. १०

Shani Pradosh Vrat Sat. 11

शनि प्रदोष व्रत(पौष मास शुक्ल पक्ष) शनि. ११

Poornima Vrat (Satyanarayan) Mon. 13

पूर्णिमा व्रत (सत्यनारायण) (पौष मास शुक्ल पक्ष)	सोम.	१३
Pryag MaaghSnan(Bath)Begins	Mon.	13
प्रयाग माघ स्नान प्रारम्भ	सोम.	१३
Pryag MahaKumbh MelaSnan (Begins)	Mon.	13
प्रयाग महाकुम्भ मेला स्नान प्रारम्भ	सोम.	१३
Shri Shakambhari Jayanti	Mon.	13
श्री शाकम्भरी जयन्ती (माघ मास कृष्ण पक्ष)	सोम.	१३
Lohri Parv	Mon.	13
लोहड़ी पर्व (पंजाब)	सोम.	१३
Maagh Mas Begin	Tue.	14
माघ मास प्रारम्भ (माघ मास कृष्ण पक्ष)	मंग.	१४
MakarSankranti (MaaghMas)	Tue.	14
मकरसंक्रान्ति (माघ मास) खिचड़ी-तिल दान	मंग.	१४
Pongal Parv (Tamil Nadu)	Tue.	14
पोंगल पर्व (थाई पोंगल तमिलनाडु)	मंग.	१४
Kharmas Ends	Tue.	14
खरमास समाप्त (माघ मास कृष्ण पक्ष)	मंग.	१४
Surya Uttarayan (Day of gods night of demons)	Tue.	14
सूर्य उत्तरायण (देवताओं का दिन दैत्यों की रात्रि)	मंग.	१४
Sankashti Ganesh ChaturthiVrat	Thu.	16
संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत(श्रीगणेश जन्म)लम्बोदर गणेश	गुरु.	१६
Swami Vivekanandan Jayanti	Mon.	20
स्वामी विवेकानन्द जयन्ती	सोम.	२०
Kalaashtami Vrat (Bhairv Puja)	Tue.	21
कालाअष्टमी व्रत (भैरव पूजन) (माघ मास)	मंग.	२१

Ramalala Pratishtha Diwas रामलला प्रतिष्ठा दिवस (अयोध्या)	Wed. 22 बुध. २२
Shattila Ekadashi Vrat(Maagh) षटतिला एकादशी व्रत (माघ मास कृष्ण पक्ष)	Sat. 25 शनि. २५
Ravi Pradosh Vrat रवि प्रदोष व्रत (माघ मास कृष्ण पक्ष)	Sun. 26 रवि. २६
Bharteeya Gantantra Divas भारतीय गणतंत्र दिवस (७६वां)	Sun. 26 रवि. २६
Mas Shivaratri 13 Vrat (Maagh) मासशिवरात्रि व्रत (माघ मास कृष्ण पक्ष)	Mon. 27 सोम. २७
PryagMahaKumbhMelaSnan(Second) द्वितीय प्रयाग महाकुम्भ मेला स्नान	Wed. 29 बुध. २९
Mauni Amavasya (MaaghMas) मौनी अमावस्या (माघकृष्णपक्ष) (स्नान-दान-श्राद्ध कर्म)	Wed. 29 बुध. २९
Maagh Gupta Navratri (begins) माघ गुप्त नावरात्रि (प्रारम्भ) (माघ मास शुक्ल पक्ष)	Wed. 29 बुध. २९
Gauri Tritya गौरी तृतीया	Fri. 31 शुक्र. ३१

FEBRUARY 2025 DAY DATE
Maagh Mas-Phalgun Mas Samvat 2081
माघ मास- फाल्गुन मास संवत् २०८१

Vainayki Ganesh Chaturthi Vrat वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत (तिल कुन्द चतुर्थी)	Sat. 01 शनि. ०१
Vasant Panchmi (Saraswati Pooja) वसन्त पंचमी (सरस्वती पूजा) (माघ मास शुक्ल पक्ष)	Sun. 02 रवि. ०२

PryagMahaKumbhMelaSnan _(Ends)	Sun.	02
प्रयाग महाकुम्भ मेला स्नान समाप्त	रवि.	०२
Shri Skand Shashthi (Kumar)	Mon.	03
श्री स्कन्द षष्ठी (कुमार षष्ठी व्रत)	सोम.	०३
Rath Saptami (Maagh)	Tue.	04
रथ सप्तमी (माघ मास शुक्ल पक्ष)	मंग.	०४
Narmada Jayanti	Tue.	04
नर्मदा जयन्ती	मंग.	०४
Masik Durga Ashtami Vrat	Wed.	05
मासिक दुर्गा अष्टमी व्रत	बुध.	०५
Bheeshm Ashtami (Maagh)	Wed.	05
भीष्म अष्टमी (भीष्म पितामह श्राद्ध, तर्पण)	बुध.	०५
Maagh Gupta Navratri (Ends)	Wed.	05
माघ गुप्त नावरात्रि (समाप्त)(माघ मास शुक्ल पक्ष)	बुध.	०५
Jaya Ekadashi Vrat (Maagh)	Sat.	08
जया एकादशी व्रत(माघ मास शुक्ल पक्ष)	शनि.	०८
Bheeshm Dwadashi	Sat.	08
भीष्म द्वादशी	शनि.	०८
Ravi Pradosh Vrat	Sun.	09
रवि प्रदोष व्रत	रवि.	०९
Poornima Vrat begin (08 :25am)	Tue.	11
पूर्णिमा व्रत प्रारम्भ (सुबह ०८ :२५)	मंग.	११
Poornima (Satyanarayan) Vrat	Wed.	12
पूर्णिमा व्रत (सत्यनारायण) (माघी पूर्णिमा)	बुध.	१२
Sankranti (Phalgun)(Kumbh)	Wed.	12

संक्रान्ति (फाल्गुन मास) (कुम्भ राशी)	बुध.	१२
Maagh Snan (Bath) Ends	Wed.	12
माघ स्नान समाप्त	बुध.	१२
Guru Ravidas Jayanti	Wed.	12
गुरु रविदास जयन्ती	बुध.	१२
Phalgun Mas Begin	Thu.	13
फाल्गुन मास प्रारम्भ	गुरु.	१३
Sankashti Ganesh Chaturthi Vrat	Sat.	15
संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत (द्विजप्रिय गणेश चतुर्थी)	शनि.	१५
Vasant Ritu Begins	Tue.	18
<u>वसन्त ऋतु प्रारम्भ</u>	मंग.	१८
Yashoda Jayanti	Tue.	18
यशोदा जयन्ती	मंग.	१८
Shabari Jyanti	Wed.	19
शबरी जयन्ती	बुध.	१९
Kalaashtami Vrat (Bhairv Puja)	Thu.	20
कालाअष्टमी व्रत (भैरव पूजन) (फाल्गुन मास)	गुरु.	२०
Janaki Jayanti	Thu.	20
जानकी जयन्ती	गुरु.	२०
Swami Dayanand Jayanti	Sat.	22
स्वामी दयानन्द सरस्वती जयन्ती	शनि.	२२
Vijaya Ekadashi Vrat (Phalgun)	Sun.	23
विजया एकादशी व्रत (फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष)	रवि.	२३
Bhauma Pradosh Vrat (Phalgun)	Tue.	25
भौम प्रदोष व्रत (फाल्गुन)	मंग.	२५

Mas Shivaratri 13 Vrat (Phalgun)	Tue.	25
मासशिवरात्रि व्रत (फाल्गुन मास)	मंग.	२५

Maha Shivaratri Vrat	Tue.	25
महाशिवरात्रि व्रत (फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष)	मंग.	२५

Amavasya (PhalgunMas)	Thu.	27
अमावस्या (फाल्गुन मास) (स्नान-दान-श्राद्ध कर्म)	गुरु.	२७

Dwapara Yuga	Thu.	27
द्वापर युग	गुरु.	२७

<u>MARCH</u> 2025	DAY	DATE
--------------------------	------------	-------------

Phalgun-Chaitra Mas Samvat 2081-2082

फाल्गुन मास -चैत्र मास	संवत् २०८१-२०८२
-------------------------------	------------------------

Ramakrishna Paramahansa Jayanti	Sat.	01
रामकृष्ण परमहंस जयन्ती	शनि.	०१

Vainayaki Ganesh Chaturthi Vrat	Sun.	02
वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत	रवि.	०२

Shri Skand Shashthi (Kumar)	Tue.	04
श्री स्कन्द षष्ठी (कुमार षष्ठी व्रत)	मंग.	०४

Masik Durga Ashtami Vrat	Thu.	06
मासिक दुर्गा अष्टमी व्रत	गुरु.	०६

Holashtak Begins	Thu.	06
होलाष्टक प्रारम्भ	गुरु.	०६

(The fast of Holashtak occurs in Vyas,Ravi and Tripushkar region
And not anywhere else.)

(होलाष्टक का दोष व्यास,रावी,त्रिपुष्कर क्षेत्र में होता है अन्यत्र नहीं होता है)

Aamlaki (Rangbhari) Ekadashi Vrat	Sun.	09
आमलकी (रंगभरी) एकादशी व्रत(फाल्गुन शुक्ल पक्ष)	रवि.	०९

Govind Dwadashi गोविन्द द्वादशी	Mon. सोम.	10 १०
Narasimha Dwadashi नृसिंह द्वादशी	Mon. सोम.	10 १०
Bhauma Pradosh Vrat (Phalgun) भौम प्रदोष व्रत (फाल्गुन मास)	Tue. मंग.	11 ११
Poornima Vrat (Satyaran) वसन्त पूर्णिमा व्रत (सत्यनारायण)(फाल्गुन शुक्ल पक्ष)	Thu. गुरु.	13 १३
Holika Dahan होलिका दहन (फाल्गुन मास शुक्ल पक्ष)	Thu. गुरु.	13 १३
Chhoti Holi छोटी होली (फाल्गुन मास शुक्ल पक्ष)	Thu. गुरु.	13 १३
Chaitra Mas Begin चैत्र मास प्रारम्भ	Fri. शुक्र.	14 १४
Holi होली	Fri. शुक्र.	14 १४
Holashtak Ends होलाष्टक समाप्त	Fri. शुक्र.	14 १४
Sankranti (ChaitraMas) (Meen) संक्रान्ति (चैत्र मास)(मीन राशी)	Fri. शुक्र.	14 १४
<u>Penumbral Lunar Eclipse Thu/Fri 13/14</u>		
Penumbral Lunar Start Mar 13 (Time- 25:10:46 pm to 28:47:10 am)		
Sutak Begin March 13 13:12:33 Sutak Ends 28:47:10		
खण्ड चन्द्र ग्रहण (इस चन्द्रग्रहण की परछाई दिखेगी अतः सूतक लगेगा)	गुरु./शुक्र. १३/१४	
Chaitany Mahaprabhu Jayanti चैतन्य महाप्रभु जयन्ती	Fri. शुक्र.	14 १४

Bhratri Dwitiya भर्तरी द्वितीया (चैत्रमास कृष्ण पक्ष)	Sat. शनि.	15 १५
Bhai Dooj भाई दूज (चैत्रमास कृष्ण पक्ष)	Sat. शनि.	15 १५
Chhatrapati Shivaji Maharaj Jayanti छत्रपति शिवाजी महाराज जयन्ती	Mon. सोम.	17 १७
Sankashti Ganesh Chaturthi Vrat संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत (भालचन्द्र गणेश)	Mon. सोम.	17 १७
Rang Panchami रंग पञ्चमी	Wed. बुध.	19 १९
Shri Sheetala Saptami Vrat श्री शीतला सप्तमी व्रत (बनारस महानिशा पूजा)	Fri. शुक्र.	21 २१
Kalaashtami Vrat (Bhairv Puja) कालाअष्टमी व्रत (भैरव पूजा)	Sat. शनि.	22 २२
Shri Sheetala Ashtami Vrat श्री शीतला अष्टमी व्रत (बसिअउरा)	Sat. शनि.	22 २२
Vridhangkarak Parv वृद्धाङ्कारक पर्व (बुढ़वामंगल) बनारस होली समाप्त	Tue. मंग.	25 २५
Papmochani Ekadashi Vrat पापमोचनी एकादशी व्रत (चैत्र मास कृष्ण पक्ष)	Tue. मंग.	25 २५
Budha Pradosh Vrat बुध प्रदोष व्रत (चैत्रमास कृष्ण पक्ष)	Wed. बुध.	26 २६
Mas Shivaratri 13 Vrat (Chaitra) मास शिवरात्रि व्रत (चैत्रमास कृष्ण पक्ष)	Thu. गुरु.	27 २७
Tryodashi Vrat (Varuni Parv)	Thu.	27

त्रयोदशी व्रत (वारुणी पर्व)	गुरु.	२७
Amavasya (Chaitra)	Fri.	28
अमावस्या (चैत्रमास)(स्नान-दान-श्राद्ध कर्म)	शुक्र.	२८
Amavasya (Chaitra)	Fri.	28
अमावस्या (चैत्रमास) (स्नान-दान-श्राद्ध कर्म)	शुक्र.	२८
Chandr Samvatsar 2081 Ends	Fri.	28
विक्रम (चन्द्र) संवत्सर २०८१ समाप्त	शुक्र.	२८
Vikram Samvatsar 2082 Begins	Sat.	29
विक्रम “ सिध्दार्थी ” नाम संवत्सर २०८२ नववर्ष प्रारम्भ	शनि.	२९
Vasant Navratri Begins(Chaitra)	Sat.	29
वसन्त नवरात्रि प्रारम्भ (चैत्र मास शुक्ल पक्ष)	शनि.	२९

The auspicious time for Ghat sthapana is from 6:57 to 11:01 in the morning.
घट स्थापना के लिए सुबह ६:५७ से ११:०१ तक शुभ मुहूर्त है।

Shailputri Puja	Sat.	29
शैलपुत्री देवी पूजा, दर्शन	शनि.	२९
Sindhi New Year's Day	Sat.	29
सिन्धी नववर्ष दिवस	शनि.	२९
Gudi Padwa (Marathi New Year's Day)	Sat.	29
गुडी पडवा (महाराष्ट्र नव वर्ष दिवस)	शनि.	२९
Ugadi (Telugu NewYear's Day)	Sat.	29
युगादी (तेलुगु, तमिल नववर्ष दिवस)	शनि.	२९
Partial Solar Eclipse in Ottawa	Sat.	29
खण्ड सूर्य ग्रहण(यह सूर्य ग्रहण आटवा में दिखेगा)	शनि.	२९

This Solar Eclipse will be visible in Ottawa
Eclips would Start from Sunrise time 6:48:15 am
to End time 07:12:45 am
Sutak Begins March 28 (19:26:10) End 07:12:45

Arya Samaj Foundation Day आर्य समाज स्थापना दिवस	Sat.	29
	शनि.	२९
Brahmacharini Puja ब्रह्मचारिणी देवी पूजा, दर्शन	Sun.	30
	रवि.	३०
Cheti Chanda, Jhulelal Jayanti चेटी चण्ड, झूलेलाल जयन्ती (१०वीं शताब्दी सिन्ध)	Sun.	30
	रवि.	३०
Matsya Jayanti मत्स्य जयन्ती	Mon.	31
	सोम.	३१
Gauri Pooja गौरी पूजा	Mon.	31
	सोम.	३१
Gangaur (Rajasthan) गणगौर (हरियाणा, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश)	Mon.	31
	सोम.	३१
Chandraghanta Puja चन्द्रघन्टा देवी पूजा, दर्शन	Mon.	31
	सोम.	३१
<u>APRIL</u> 2025	Day	Date
Chaitra - Vaishakh Mas	Samvat	2082
चैत्र मास-वैशाख मास	संवत्	२०८२
Vainayki Ganesh Chaturthi Vrat वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत	Tue.	01
	मंग.	०१
Kushmanda Puja कूष्माण्डा देवी पूजा, दर्शन	Tue.	01
	मंग.	०१
Lakshmi Panchami (Lakshmi Ji welcome home) लक्ष्मी पञ्चमी (लक्ष्मी जी का घर में स्वागत)	Tue.	01
	मंग.	०१
Skandamata Puja स्कन्दमाता देवी पूजा, दर्शन	Wed.	02
	बुध.	०२

Shri Skand Shashthi (Kumar)	Wed.	02
श्री स्कन्द षष्ठी (कुमार षष्ठी व्रत)	बुध.	०२
Katyani Puja	Thu.	03
कात्यायनी देवी पूजा, दर्शन	गुरु.	०३
Yamuna Jayanti (Yamuna Shashthi)	Thu.	03
यमुना जयन्ती (यमुना षष्ठी)	गुरु.	०३
Kalratri Puja	Fri.	04
कालरात्रि देवी पूजा, दर्शन	शुक्र.	०४
Shri MahaTara Jayanti	Sat.	05
श्री महातारा जयन्ती (महाविद्या)	शनि.	०५
Masik Durga Ashtami Vrat	Sat.	05
मासिक दुर्गा अष्टमी व्रत	शनि.	०५
Mahagauri Puja	Sat.	05
महागौरी देवी पूजा, दर्शन	शनि.	०५
Shri Durga Ashtami Vrat	Sat.	05
श्री दुर्गा अष्टमी व्रत (कन्यापूजन) (सम्पूर्ण दिवस अष्टमी है)	शनि.	०५
Shri Ramnavami Vrat (Smart)	Sat.	05
श्री रामनवमी (श्री राम जन्म) (स्मार्त सम्प्रदाय)	शनि.	०५
Siddhidatri Puja	Sat.	05
श्री सिद्धदात्री देवी पूजा, दर्शन	शनि.	०५
Navratri Vrat Parna	Sun.	06
नवरात्रि व्रत पारण	रवि.	०६
Shri Swaminarayan Jayanti	Sun.	06
श्री स्वामीनारायण जयन्ती	रवि.	०६
Kamda Ekadashi Vrat (Chaitra)	Tue.	08

कामदा एकादशी व्रत (चैत्र मास शुक्ल पक्ष)	मंग.	०८
Vaman Dwadashi	Tue.	08
वामन द्वादशी	मंग.	०८
Budh Pradosh Vrat	Wed.	09
बुध प्रदोष व्रत (चैत्रमास)	बुध.	०९
Shri Mahaveer Jayanti (Jain)	Thu.	10
श्री महावीर जयन्ती (जैन)	गुरु.	१०
Poornima Vrat (Satyanarayan)	Sat.	12
पूर्णिमा व्रत (सत्यनारायण) (चैत्रमास)	शनि.	१२
Hanuman Jayanti(South India)	Sat.	12
श्री हनुमान जयन्ती (दक्षिण भारत)	शनि.	१२
Vaishakh Mas Begin	Sun.	13
वैशाख मास प्रारम्भ	रवि.	१३
Vaishakh Snan (Bath) Begins	Sun.	13
वैशाख स्नान प्रारम्भ	रवि.	१३
Sankranti(Vaishakh)(Fan,Water,SattuDaan)	Sun.	13
संक्रान्ति(मेष)(वैशाख मास)(सत्तु-पंखा-जलकलश दान)	रवि.	१३
Solar New Year Begin	Sun.	13
(सूर्य पंचांग नया वर्ष प्रारम्भ)(वैशाख मास कृष्ण पक्ष)	रवि.	१३
Vaishakhi Parv	Sun.	13
वैशाखी पर्व (वैशाखी मेला) (वैशाख मास कृष्ण पक्ष)	रवि.	१३
Sankashti Ganesh Chaturthi Vrat	Wed.	16
संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत (विकट गणेश चतुर्थी)	बुध.	१६
Vasant Ritu Ends	Sat.	19

वसन्त ऋतु समाप्त

शनि. १९

Grishma Ritu Begins

Sat. 19

ग्रीष्म ऋतु प्रारम्भ

शनि. १९

Baba Balak Nath ji ka Chala

Sun. 20

बाबा बालक नाथ जी का चाला

रवि. २०

Bhanu Saptami

Sun. 20

भानु सप्तमी

रवि. २०

Kalaashtami Vrat (Bhairv Puja)

Sun. 20

कालाअष्टमी व्रत (भैरव पूजा)

रवि. २०

Masik Durga Ashtami Vrat

Mon. 21

मासिक दुर्गा अष्टमी व्रत

सोम. २१

Varuthini Ekadashi Vrat(Vaishakh)**Wed. 23**

वरुथिनी एकादशी व्रत (वैशाख मास कृष्ण पक्ष)

बुध. २३

Vallabhacharya Jayanti (1479A.D.) Wed. 23

श्री वल्लभाचार्य जयन्ती (जन्म काशी पुष्टि संप्रदाय)

बुध. २३

Shukra Pradosh Vrat

Fri. 25

शुक्र प्रदोष व्रत (वैशाखमास कृष्ण पक्ष)

शुक्र. २५

Mas Shivaratri 13 Vrat (Vaishakh) Fri. 25

मासशिवरात्रि व्रत (वैशाखमास कृष्ण पक्ष)

शुक्र. २५

Amavasya (Vaishakh Mas) Sun. 27

अमावस्या(वैशाखमास कृष्ण पक्ष)(स्नान-दान-श्राद्ध कर्म)

रवि. २७

Parshuram Jayanti

Tue. 29

परशुराम जयन्ती

मंग. २९

Akshya Trutiya (Donate satt,sugar,water,urn)**Tue. 29**

अक्षय तृतीया (सत्तू,चीनी,पानी,कलश दान)

मंग. २९

Treta Yuga

त्रेता युग

Tue. 29

मंग. २९

Shri Matangi Jayanti

श्री मातंगी जयन्ती(महाविद्या)

Tue. 29

मंग. २९

Vainayki Ganesh Chaturthi Vrat

वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत

Wed. 30

बुध. ३०

MAY 2025

DAY DATE

Vaishakh - Jyeshth Mas

Samvat 2082

वैशाख मास - ज्येष्ठ मास

संवत् २०८२

Surdas Jayanti

सूरदास जयन्ती

Thu. 01

गुरु. ०१

Aady Guru Shankaracharya Jayanti

आद्य गुरु शंकराचार्य जयन्ती

Thu. 01

गुरु. ०१

Shri Ramanujacharya Jayanthi

श्री रामानुजाचार्य जयन्ती (१०१७ सेन्चुरी जन्म तमिलनाडु)

Thu. 01

गुरु. ०१

Shri Skand Shashthi (Kumar)

श्री स्कन्द षष्ठी (कुमार षष्ठी व्रत)

Fri. 02

शुक्र. ०२

Shri Ganga Jayanti (Gangapoojan)

श्री गंगा जयन्ती (गंगा सप्तमी) (गंगा पूजन)

Sat. 03

शनि. ०३

Masik Durga Ashtami Vrat

मासिक दुर्गा अष्टमी व्रत

Sun. 04

रवि. ०४

Sita Navami Vrat

सीता नवमी व्रत (जानकी जयन्ती)

Mon. 05

सोम. ०५

Shri Bagulamukhi Jayanti

श्री बगुलामुखी जयन्ती (महाविद्या)

Mon. 05

सोम. ०५

Mohini Ekadashi Vrat (Vaishakh)	Wed.	07
मोहिनी एकादशी व्रत (वैशाख मास शुक्ल पक्ष)	बुध.	०७
Parashuram Dwadashi	Thu.	08
परशुराम द्वादशी	गुरु.	०८
Shukra Pradosh Vrat	Fri.	09
शुक्र प्रदोष व्रत (वैशाखमास)	शुक्र.	०९
Shri Nrusingh Jayanti	Sat.	10
श्री नृसिंह जयन्ती	शनि.	१०
Shri Chhinmastika Jayanti	Sat.	10
श्री छिन्नमस्तिका जयन्ती (महाविद्या)	शनि.	१०
Mother's Day	Sun.	11
मातृ दिवस	रवि.	११
Shri Koorm Jayanti	Sun.	11
श्री कूर्म जयन्ती	रवि.	११
Buddha Poornima Vrat begin (11 :32am)	Sun.	11
बुद्ध पूर्णिमा व्रत प्रारम्भ (सुबह ११ :३२)	रवि.	११
Buddh Jayanti (Buddha Poornima)	Mon.	12
बुद्ध जयन्ती (बुद्ध पूर्णिमा)	सोम.	१२
Vaishakh Snan (Bath) ends	Mon.	12
वैशाख मास स्नान समाप्त	सोम.	१२
Vaishakha Poornima (Satynarayan)	Mon.	12
वैशाख पूर्णिमा व्रत (सत्यनारायण) (वैशाख मास)	सोम.	१२
Jyeshth Mas Begin	Tue.	13
ज्येष्ठ मास प्रारम्भ	मंग.	१३
Narad Jayanti	Tue.	13

नारद जयन्ती	मंग.	१३
Sankranti (Jyeshth)(Vrishabha)	Wed.	14
संक्रान्ति (ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष) (वृषभ राशी)	बुध.	१४
Sankashti Ganesh Chaturthi Vrat	Thu.	15
संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत (एकदन्त गणेश चतुर्थी)	गुरु.	१५
Kalaashtami Vrat (Bhairv Puja)	Mon.	19
कालाअष्टमी व्रत (भैरव पूजा)	सोम.	१९
Achla (Apra) Ekadashi Vrat	Fri.	23
अचला (अपरा) एकादशी व्रत(ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष)	शुक्र.	२३
ShaniPradosh Vrat	Sat.	24
शनि प्रदोष व्रत(ज्येष्ठमास)	शनि.	२४
Vat Savitri Vrat (U.P.) (Begins)	Sat.	24
वट सावित्री व्रत प्रारम्भ (प्रथमदिन) (उत्तर भारत)	शनि.	२४
Mas Shivaratri 13 Vrat(Jyeshth)	Sun.	25
मासशिवरात्रि व्रत (ज्येष्ठमास)	रवि.	२५
Vat Savitri Vrat (U.P.) (2nds)	Sun.	25
वट सावित्री व्रत (द्वितीय दिवस) (उत्तर भारत)	रवि.	२५
Vat Savitri Vrat (U.P.) (Ends)	Mon.	26
वट सावित्री व्रत समाप्त (उत्तर भारत)	सोम.	२६
Amavasya (Jyeshth)	Mon.	26
अमावस्या (ज्येष्ठमास) (स्नान-दान-श्राद्ध कर्म)	सोम.	२६
Somavati Amavasya (PeepalPooja)	Mon.	26
सोमावती अमावस्या (पीपल वृक्ष विष्णु पूजन)	सोम.	२६
Shri Shanaishchar Jayanti	Mon.	26
श्री शनैश्चर जयन्ती (ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष)	सोम.	२६

Rambha Trutiya	Thu.	29
रम्भा तृतीया	गुरु.	२९
Vainayki Ganesh Chaturthi Vrat	Thu.	29
वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत	गुरु.	२९
Shri Skand Shashthi (Kumar)	Sat.	31
श्री स्कन्द षष्ठी (कुमार षष्ठी व्रत)	शनि.	३१

JUNE 2025 DAY DATE

Jyeshth– Aashadh Mas Samvat 2082

ज्येष्ठ मास - आषाढ़ मास संवत् २०८२

Ksheer Bhavani Mela (Kashmir) Tue. 03
क्षीर भवानी मेला (काश्मीर) मंग. ०३

Shree Dhumavati Jayanti Tue. 03
श्री धूमावती जयन्ती (महाविद्या) मंग. ०३

Masik Durga Ashtami Vrat Tue. 03
मासिक दुर्गा अष्टमी व्रत मंग. ०३

Mahesh Navami (Maheshwari Community) Wed. 04
महेश नवमी (माहेश्वरी समाज वंशोत्पत्ति दिन) बुध. ०४

Ganga Dashara Thu. 05
गंगा दशहरा (गंगा जन्म) (ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष) गुरु. ०५

Gayatri Jayanti Fri. 06
गायत्री जयन्ती शुक्र. ०६

Nirjala Ekadashi Vrat(Jyeshth) Fri. 06
निर्जला एकादशी व्रत (ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष) शुक्र. ०६

Ramlakshman Dwadashi Sat. 07
रामलक्ष्मण द्वादशी शनि. ०७

Ravi Pradosh Vrat (Jyeshth) रवि प्रदोष व्रत (ज्येष्ठमास)	Sun. 08 रवि. ०८
Vat Savitri Vrat (South India) वट सावित्री (पूर्णिमा) व्रत (दक्षिण भारत)	Tue. 10 मंग. १०
Vaivaswata Manvadi वैवस्वत मन्वादि तिथि	Tue. 10 मंग. १०
चौदह मनु (प्रथम पुरुष) के चौदह मन्वादि तिथियां हैं। वर्तमान में हम वैवस्वत मन्वन्तर में हैं।	
Poornima (Satyanarayan) Vrat पूर्णिमा व्रत (सत्यनारायण)(ज्येष्ठमास शुक्ल पक्ष)	Tue. 10 मंग. १०
Aashadh Mas Begin आषाढ़ मास प्रारम्भ	Wed. 11 बुध. ११
Sant Kabeer Jayanti संत कबीर जयन्ती	Wed. 11 बुध. ११
Sankranti (Aashadh)(Mithun) संक्रान्ति (आषाढ़ मास) (मिथुन राशी)	Sat. 14 शनि. १४
Sankashti Ganesh Chaturthi Vrat संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत (कृष्णपिंगल गणेश चतुर्थी)	Sat. 14 शनि. १४
Father's Day पितृ दिवस	Sun. 15 रवि. १५
Shri Sheetala Ashtami Vrat श्री शीतला अष्टमी व्रत	Wed. 18 बुध. १८
Kalaashtami Vrat (Bhairv Puja) कालाअष्टमी व्रत (भैरव पूजा)	Wed. 18 बुध. १८
Grishma Ritu End <u>ग्रीष्म ऋतु समाप्त</u>	Fri. 20 शुक्र. २०

Varsha Ritu Begins	Fri.	20
<u>वर्षा ऋतु प्रारम्भ</u>	शुक्र.	२०
Surya Dakshinayan (Biggest day of year)	Fri.	20
सूर्य दक्षिणायन (साल का सबसे बड़ा दिन)	शुक्र.	२०
International Yoga Day	Sat.	21
विश्व योग दिवस	शनि.	२१
Yogini Ekadashi Vrat(Aashadh)	Sat.	21
योगिनी एकादशी व्रत (आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष)	शनि.	२१
Ravi Pradosh Vrat	Sun.	22
प्रदोष व्रत (आषाढ़मास कृष्णपक्ष)	रवि.	२२
Mas Shivaratri 13 Vrat(Aashadh)	Mon.	23
मासशिवरात्रि व्रत (आषाढ़मास कृष्णपक्ष)	सोम.	२३
Amavasya (AshadhaMas)	Tue.	24
अमावस्या(आषाढ़मास)(स्नान-दान-श्राद्ध कर्म)	मंग.	२४
Amavasya (Ashadha Mas)	Wed.	25
अमावस्या (आषाढ़ मास) (स्नान-दान-श्राद्ध कर्म)	बुध.	२५
Ashadh Gupta Navratri (begins)	Wed.	25
आषाढ़ गुप्त नावरात्रि (प्रारम्भ)	बुध.	२५
JagannathRathyatra(JagannathPuri)	Thu.	26
जगन्नाथ रथयात्रा (जगन्नाथ पुरी) (आषाढ़ शुक्ल पक्ष)	गुरु.	२६
Vainayki Ganesh Chaturthi Vrat	Sat.	28
वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत	शनि.	२८
Skand Shashthi (kumar Shashthi Vrat)	Mon.	30
स्कन्द षष्ठी (कुमार षष्ठी व्रत)	सोम.	३०

JULY 2025

DAY DATE

Aashadh –Shravan Mas

आषाढ मास - श्रावण मास

Samvat 2082

संवत् २०८२

Canada Day

केनेडा दिवस

Tue. 01

मंग. ०१

Masik Durga Ashtami Vrat

मासिक दुर्गा अष्टमी व्रत

Wed. 02

बुध. ०२

Ashadh Gupta Navratri (Ends)

आषाढ गुप्त नावरात्रि (समाप्त)

Thu. 03

गुरु. ०३

Harishayani Ekadashi Vrat

हरिशयनी(देवशयनी)एकादशी व्रत(आषाढ शुक्ल पक्ष)

Sun. 06

रवि. ०६

Chaturmasya Vrat Begins

चातुर्मास्य व्रत आरम्भ

Sun. 06

रवि. ०६

Vasudeva Dwadashi

वासुदेव द्वादशी

Sun. 06

रवि. ०६

Som Pradosh Vrat (Ashadha)

सोम प्रदोष व्रत (आषाढमास शुक्ल पक्ष)

Mon. 07

सोम. ०७

Gauri Vrat Begins

गौरी व्रत आरम्भ

Tue. 08

मंग. ०८

Jayaparvati Vrat (Gujarat) Begins

जया पार्वती व्रत प्रारम्भ (गुजरात प्रदेश)

Tue. 08

मंग. ०८

Kokila Vrat

कोकिला व्रत

Wed. 09

बुध. ०९

Gauri Vrat Ends

गौरी व्रत समाप्त

Thu. 10

गुरु. १०

GuruPoornimaVrat (Satyanarayan)

Thu. 10

गुरु पूर्णिमा व्रत(व्यास पूजा)(सत्यनारायण)(आषाढमास)	गुरु.	१०
Shravan Mas Begin	Fri.	11
श्रावण मास प्रारम्भ	शुक्र.	११
Jayaparvati Vrat (Gujarat)Ends	Sun.	13
जया पार्वती व्रत समाप्त (गुजरात प्रदेश)	रवि.	१३
Sankashti Ganesh Chaturthi Vrat	Sun.	13
संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत (गजानन गणेश चतुर्थी)	रवि.	१३
Shravan Somvar Vrat (Begins)	Mon.	14
श्रावण सोमवार व्रत(श्रावण मास कृष्णपक्ष)(प्रारम्भ)	सोम.	१४
Mangala Gauri Vrat (Begins)	Tue.	15
मंगला गौरी व्रत (श्रावण मास कृष्णपक्ष) (प्रारम्भ)	मंग.	१५
Sankranti (Shravan)(Karka)	Wed.	16
संक्रान्ति (श्रावण मास कृष्णपक्ष) (कर्क राशी)	बुध.	१६
Kalaashtami Vrat (Bhairv Puja)	Thu.	17
कालाअष्टमी व्रत (भैरव पूजा)	गुरु.	१७
Kamika Ekadashi Vrat(Shravan)	Sun.	20
कामिका(कामदा)एकादशी व्रत(श्रावण मास कृष्णपक्ष)	रवि.	२०
Shravan Somvar Vrat	Mon.	21
श्रावण सोमवार व्रत (श्रावण मास कृष्णपक्ष)	सोम.	२१
Som Pradosh Vrat (Shravan)	Mon.	21
सोम प्रदोष व्रत (श्रावणमास कृष्णपक्ष)	सोम.	२१
Mangala Gauri Vrat	Tue.	22
मंगला गौरी व्रत (श्रावण मास कृष्णपक्ष)	मंग.	२२
Mas Shivaratri 13 Vrat(Shravan)	Tue.	22
मासशिवरात्रि व्रत (श्रावणमास कृष्णपक्ष)	मंग.	२२

Amavasya (श्रावणमास कृष्णपक्ष)	Wed.	23
अमावस्या (स्नान-दान-श्राद्ध कर्म)	बुध.	२३
Amavasya (Shravan Mas)	Thu.	24
अमावस्या(श्रावणमास कृष्णपक्ष)(स्नान-दान-श्राद्ध कर्म)	गुरु.	२४
Hariyali Amavasya	Thu.	24
हरियाली अमावस्या (स्नान-दान-श्राद्ध कर्म)	गुरु.	२४
Madhushrwa (Singhara) Teej Vrat	Sun.	27
मधुश्रवा (सिंघारा या स्वर्णगौरी) तीज व्रत	रवि.	२७
Hariyali Teej Vrat (Shravan Mas)	Sun.	27
हरियाली तीज व्रत (श्रावण मास शुक्लपक्ष)	रवि.	२७
Vainayki Ganesh Chaturthi Vrat	Mon.	28
वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत	सोम.	२८
Shravan Somvar Vrat	Mon.	28
श्रावण सोमवार व्रत (श्रावण मास शुक्लपक्ष)	सोम.	२८
Mangala Gauri Vrat	Tue.	29
मंगला गौरी व्रत (श्रावण मास शुक्लपक्ष)	मंग.	२९
Nag Panchmi (श्रावण मास शुक्लपक्ष)	Tue.	29
(Worship of Takshak Nags at the main entrance)		
नाग पंचमी (गृह द्वार पर तक्षक नागों की पूजा)	मंग.	२९
Kalki Avatar (Jayanti)	Tue.	29
कल्कि अवतार (जयन्ती)	मंग.	२९
Shri Skand Shashthi (Kumar)	Tue.	29
श्री स्कन्द षष्ठी (कुमार षष्ठी व्रत)	मंग.	२९
Goswami Tulsidas Jayanti	Thu.	31
गोस्वामी तुलसीदास जयन्ती	गुरु.	३१

AUGUST 2025

DAY DATE

Shravan – Bhadrapad Mas Samvat 2082

श्रावण मास – भाद्रपद मास

संवत्

२०८२

Masik Durga Ashtami Vrat

Fri. 01

मासिक दुर्गा अष्टमी व्रत

शुक्र. ०१

Mela Shri Chintpurani Mata(begin)

Fri. 01

मेला श्री चिन्तपूर्णी माता (प्रारम्भ)

शुक्र. ०१

Putrada(Pavitra)Ekadashi Vrat Mon. 04

पुत्रदा(पवित्रा) एकादशी व्रत (श्रावण मास शुक्लपक्ष)

सोम. ०४

Shravan Somvar Vrat

Mon. 04

श्रावण सोमवार व्रत (श्रावण मास शुक्लपक्ष)

सोम. ०४

Mangala Gauri Vrat

Tue. 05

मंगला गौरी व्रत (श्रावण मास शुक्लपक्ष)

मंग. ०५

Mangala Gauri Vrat (Ends)

Tue. 05

मंगला गौरी व्रत समाप्त (श्रावण मास शुक्लपक्ष)

मंग. ०५

Damodar Dwadashi

Tue. 05

दमोदर द्वादशी

मंग. ०५

Budh Pradosh Vrat (Shravan)

Wed. 06

बुध प्रदोष व्रत (श्रावणमास शुक्लपक्ष)

बुध. ०६

Varalakshmi Vrat

Fri. 08

वरलक्ष्मी व्रत (श्रावणमास शुक्लपक्ष)

शुक्र. ०८

Gayatri Jayanti

Fri. 08

गायत्री जयन्ती

शुक्र. ०८

Rigvede Sharvanikarm

Fri. 08

ऋग्वेदि श्रावणी कर्म (श्रावणी कर्म)	शुक्र.	०८
Hayagriva Jayanti	Fri.	08
हयग्रीव जयन्ती	शुक्र.	०८
Poornima Vrat (Satyanarayan)	Fri.	08
पूर्णिमा व्रत (सत्यनारायण) (श्रावण मास)	शुक्र.	०८
Raksha Bandhan(Rakhi)	Fri.	08
रक्षा बन्धन (श्रावणमास शुक्लपक्ष)	शुक्र.	०८
Yajurvede Sharvanikarm	Fri.	08
यजुर्वेदी श्रावणी कर्म (श्रावणी कर्म)	शुक्र.	०८
Bhadrapad Mas Begin	Sat.	09
भाद्रपद मास प्रारम्भ	शनि.	०९
Shri Amarnath Gufa Darshan	Sat.	09
श्री अमरनाथ गुफा दर्शन (भाद्रपद मास कृष्णपक्ष)	शनि.	०९
Kajjali Teej (Kajari)	Mon.	11
कज्जली तीज(कजरी) (भाद्रपद मास कृष्णपक्ष)	सोम.	११
Sankashti Ganesh Chaturthi Vrat	Tue.	12
संकष्टी (बहुला) गणेश चतुर्थी व्रत (हेरम्ब गणेश)	मंग.	१२
Chandan Shashthi	Thu.	14
चन्दन षष्ठी (भाद्रपद मास कृष्णपक्ष)	गुरु.	१४
Hal Shashthi (Lalhi Shashthi) Vrat	Thu.	14
हल षष्ठी व्रत (ललही षष्ठी) (भाद्रपद मास कृष्णपक्ष)	गुरु.	१४
Balaram Jayanti	Thu.	14
बलराम जयन्ती (भाद्रपद मास कृष्णपक्ष)	गुरु.	१४
Bharat Svtantrata Divas (79)	Fri.	15
भारत स्वतंत्रता दिवस (७९वां)	शुक्र.	१५

Shri Mahakali Jayanti	Fri.	15
श्री महाकाली जयन्ती (महाविद्या)	शुक्र.	१५
Kalaashtami Vrat (Bhairv Puja)	Fri.	15
कालाअष्टमी व्रत (भैरव पूजा)	शुक्र.	१५
Shri KrishnJanmashtami Vrat	Fri.	15
श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रत (स्मार्त सम्प्रदाय) (SmartaGrup)	शुक्र.	१५
Gokulastami (Nandotsav)	Sat.	16
गोकुलाष्टमी (नन्दोत्सव)(दही हाण्डी)	शनि.	१६
Shri KrishnJanmashtamiVrat(Vaishnav)	Sat.	16
श्री कृष्ण जन्माष्टमी व्रत (वैष्णव सम्प्रदाय)	शनि.	१६
Shri KrishnJanmashtamiVrat (ISKON)	Sat.	16
श्री कृष्ण जन्माष्टमी व्रत (इस्कान सम्प्रदाय)	शनि.	१६
Shri Durva Ashtami Vrat	Sat.	16
श्री दूर्वा अष्टमी व्रत	शनि.	१६
Sankranti (Sinha)(BhadrapadMas)	Sat.	16
संक्रान्ति (भाद्रपद मास कृष्णपक्ष)	शनि.	१६
Shri Gugga Navami	Sun.	17
श्री गुग्गा नवमी (गंधर्व नवमी)	रवि.	१७
Jaya Ekadashi Vrat (Bhadrapad)	Mon.	18
जया (अजा) एकादशी व्रत (भाद्रपदमास कृष्णपक्ष)	सोम.	१८
Budh Pradosh Vrat (Bhadrapad)	Wed.	20
बुध प्रदोष व्रत (भाद्रपदमास कृष्णपक्ष)	बुध.	२०
Mas Shivaratri 13 Vrat (Bhadrapad)	Thu.	21
मासशिवरात्रि व्रत (भाद्रपद मास कृष्णपक्ष)	गुरु.	२१
Amavasya(Kushgrahni) (Bhadrapad)	Fri.	22

अमावस्या (कुशग्रहणी) (स्नान-दान-श्राद्ध कर्म)	शुक्र.	२२
Pithori Amavasya	Fri.	22
पिठोरी अमावस्या	शुक्र.	२२
Varsha Ritu Ends	Fri.	22
<u>वर्षा ऋतु समाप्त</u>	शुक्र.	२२
Shrad Ritu Begins	Fri.	22
<u>शरद ऋतु प्रारम्भ</u>	शुक्र.	२२
Mela RaniSati (Jhunjhunu Rajasthan)	Fri.	22
मेला रानी सती (झुनझुनू राजस्थान)	शुक्र.	२२
Varaha Avatar (Jayanti)	Mon.	25
वाराह अवतार (जयन्ती) (भाद्रपद मास शुक्ल पक्ष)	सोम.	२५
Haritalika Teej Vrat (Bhadrapad)	Mon.	25
हरितालिका तीज व्रत (भाद्रपद मास शुक्ल पक्ष)	सोम.	२५
Vainayki Ganesh Chaturthi Vrat	Tue.	26
वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत (भाद्रपद मास)	मंग.	२६
Samavede Sharvanikarm	Tue.	26
सामवेदी श्रावणी कर्म (श्रावणी कर्म)	मंग.	२६
Ganesh ChaturthiVrat(Kalank) (Ottawa)	Tue.	26
गणेश चतुर्थी व्रत (कलंक, पत्थर चौथ) (आटवा)	मंग.	२६
<u>चतुर्थी प्रारम्भ अगस्त २५ सुबह ४:२४ और २६ को सुबह ६:१४ तक</u>		
Shri GaneshPoojan begins (Mumbai)	Tue.	26
श्री गणेश पूजन प्रारम्भ(मुम्बई)(भाद्रपदमास शुक्ल पक्ष)	मंग.	२६
RishiPanchamiVrat (Rishi Worship by women)	Wed.	27
ऋषि पंचमी व्रत(शरीर की शुद्धि के लिए महिलाओं द्वारा ऋषि पूजन)	बुध.	२७
Skand Shashthi (kumar Shashthi Vrat)	Thu.	28

स्कन्द षष्ठी (कुमार षष्ठी व्रत)	गुरु.	२८
Lolark Shashthi Vrat (Varanasi)	Fri.	29
लोलार्क षष्ठी व्रत (काशी लोलार्क कुण्ड स्नान)	शुक्र.	२९
Shri Maha Lakshmi Vrat Begins	Sat.	30
श्री महालक्ष्मी (१६दिवसीय) व्रत प्रारम्भ	शनि.	३०
Masik Durga Ashtami Vrat	Sun.	31
मासिक दुर्गा अष्टमी व्रत	रवि.	३१
Shri Radha Ashtami	Sun.	31
श्री राधा अष्टमी (मथुरा राधाकुण्ड स्नान)	रवि.	३१
Maharavivar Vrat	Sun.	31
महारविवार व्रत (आज नमक रहित भोजन दिवस)	रवि.	३१
Jyeshtha Gauri Puja (Begins)	Sun.	31
ज्येष्ठा गौरी पूजा प्रारम्भ (महाराष्ट्र)	रवि.	३१

SEPTEMBER 2025 DAY DATE

Bhadrapad – Ashvin Mas Samvat 2082

भाद्रपद मास – आश्विन मास संवत् २०८२

Jyeshtha Gauri Puja (Ends)	Mon.	01
ज्येष्ठा गौरी पूजा समाप्त (विसर्जन) (महाराष्ट्र)	सोम.	०१

Padma Ekadashi Vrat (Bhadrapad) Wed. 03

पद्मा (परिवर्तिनी) एकादशी व्रत (भाद्रपद मास शुक्लपक्ष) बुध. ०३

Vaman Jayanti Thu. 04

वामन जयन्ती गुरु. ०४

Kalki Dwadashi (Mela Ambala) Thu. 04

कल्की द्वादशी (मेला अंबाला हरियाणा) गुरु. ०४

Shri Bhuvaneshwari Jayanti Thu. 04

श्री भुवनेश्वरी जयन्ती (महाविद्या)	गुरु.	०४
Guru Pradosh Vrat	Thu.	04
गुरु प्रदोष व्रत (भाद्रपद मास)	गुरु.	०४
Anant Chaturdashi Vrat	Sat.	06
अनन्त चतुर्दशी व्रत (भाद्रपद मास शुक्ल पक्ष)	शनि.	०६
Shri GaneshPoojanEnds (Mumbai)	Sat.	06
श्री गणेश पूजन समाप्त (विसर्जन) (मुम्बई, महाराष्ट्र)	शनि.	०६
Poornima Shraddh	Sat.	06
पूर्णिमा श्राद्ध (पूर्णिमा के दिन मृत प्राणियों का श्राद्ध दिन)	शनि.	०६
Poornima (Satyanarayan)Vrat	Sun.	07
पूर्णिमा व्रत (सत्यनारायण) (भाद्रपद मास शुक्ल पक्ष)	रवि.	०७
Partial Lunar Eclipse	Sun.	07
खण्ड चन्द्र ग्रहण(यह चंद्रग्रहण आटवा में नहीं दिखेगा)	रवि.	०७
<u>This Lunar Eclipse will not be visible in Ottawa</u>		
ShraddhPaksh (Mahaly) Begins	Sun.	07
श्राद्ध पक्ष आरम्भ (पितृपक्ष या महालय आरम्भ)	रवि.	०७
Pratipad shraddh (1st Day)	Sun.	07
प्रतिपद श्राद्ध (श्राद्ध पहला दिन)	रवि.	०७
Ashvin Mas Begin	Mon.	08
आश्विन मास प्रारम्भ	सोम.	०८
Dwitiya Shraddh (2nd Day)	Mon.	08
द्वितीया श्राद्ध (श्राद्ध दूसरा दिन)	सोम.	०८
Tritiya Shraddh (3rd Day)	Tue.	09
त्रितीया श्राद्ध (श्राद्ध तीसरा दिन)	मंग.	०९
Sankashti Ganesh Chaturthi Vrat	Wed.	10

संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत (विघ्नराज गणेश चतुर्थी)	बुध.	१०
Chaturthi Shraddh (4thDay)	Wed.	10
चतुर्थी श्राद्ध (श्राद्ध चौथा दिन)	बुध.	१०
Panchami Shraddh (5th Day)	Thu.	11
पंचमी श्राद्ध (श्राद्ध पांचवा दिन)	गुरु.	११
Shashthi Shraddh (6th Day)	Fri.	12
षष्ठी श्राद्ध (श्राद्ध छठा दिन)	शुक्र.	१२
Saptami Shraddh (7th Day)	Sat.	13
सप्तमी श्राद्ध (श्राद्ध सातवां दिन)	शनि.	१३
Mahalakshmi Vrat (Ends)	Sat.	13
महालक्ष्मी व्रत पूर्ण	शनि.	१३
Jeevatputrika Vrat	Sun.	14
जीवत्पुत्रिका व्रत (जीमूत वाहन गणेश पूजन)	रवि.	१४
Kalaashtami Vrat (Bhairv Puja)	Sun.	14
कालाअष्टमी व्रत (भैरव पूजा)	रवि.	१४
Ashtami Shraddh (8th Day)	Sun.	14
अष्टमी श्राद्ध (श्राद्ध आठवां दिन)	रवि.	१४
MatriNavami Saubhagyavati striyon ka shraddha	Mon.	15
मातृ नवमी (सौभाग्यवती स्त्रीयों का श्राद्ध)	सोम.	१५
Navami Shraddh (9th Day)	Mon.	15
नवमी श्राद्ध (श्राद्ध नवां दिन)	सोम.	१५
Dashmi Shraddh (10th Day)	Mon.	15
दशमी श्राद्ध (श्राद्ध दशवां दिन)	सोम.	१५
Sankranti (Kanya) AshvinMas	Tue.	16
संक्रान्ति (कन्या राशी) (आश्विन मास कृष्णपक्ष)	मंग.	१६

Vishvakarma Pooja	Tue.	16
विश्वकर्मा पूजा	मंग.	१६
Ekadashi Shraddh (11th Day)	Tue.	16
एकादशी श्राद्ध (श्राद्ध ग्यारहवां दिन)	मंग.	१६
Indira Ekadashi Vrat (Ashvin)	Wed.	17
इन्दिरा एकादशी व्रत (आश्विनमास कृष्णपक्ष)	बुध.	१७
Dwadashi Shraddh (12th Day)	Wed.	17
द्वादशी श्राद्ध (श्राद्ध बारहवां दिन)	बुध.	१७
Guru Pradosh Vrat (Ashvin)	Thu.	18
गुरु प्रदोष व्रत (आश्विनमास कृष्णपक्ष)	गुरु.	१८
Trayodashi Shraddh (13th Day)	Thu.	18
त्रयोदशी श्राद्ध (श्राद्ध तेरहवां दिन)	गुरु.	१८
Mas Shivaratri 13 Vrat (Ashvin)	Fri.	19
मासशिवरात्रि व्रत (आश्विनमास)	शुक्र.	१९
Kali Yuga	Fri.	19
कलियुग	शुक्र.	१९
Chaturdashi Shraddh (14th Day)	Fri.	19
चतुर्दशी श्राद्ध (श्राद्ध चौदहवां दिन)	शुक्र.	१९
Amavasya(PitriVisarjan)(Shraddh Ends)	Sat.	20
अमावस्या पितृविसर्जन,सर्वपैत्री श्राद्ध (श्राद्ध समाप्त)	शनि.	२०
Amavasya (Ashvin)	Sun.	21
अमावस्या (आश्विनमास) पितृविसर्जन	रवि.	२१
Solar Eclipse Anshika(Ottawa)	Sun.	21
सूर्य ग्रहण आंशिक	रवि.	२१
(Eclipse Would not be visible in Ottawa) Satak Not Applicable)		

(यह सूर्य ग्रहण आटवा में नहीं दिखेगा इस कारण सूतक नहीं लगेगा)

Sharad Navratri Begins (Ashvin) Mon. 22

शरद नवरात्रि प्रारम्भ (आश्विन मास शुक्ल पक्ष) सोम. २२

Ghatasthapana Mohrut 6:50 am to 9:05 am

घट स्थापना मुहूर्त सुबह ६:५० से ९:०५ बजे तक

Maharaja Agrasen Jayanti Mon. 22

महाराजा अग्रसेन जयन्ती (अग्रवाल समाज) सोम. २२

Vainayki Ganesh Chaturthi Vrat Thu. 25

वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत गुरु. २५

Lalita Panchami Vrat Fri. 26

ललिता पञ्चमी व्रत शुक्र. २६

Skand Shashthi (kumar Shashthi Vrat) Sat. 27

स्कन्द षष्ठी (कुमार षष्ठी व्रत) शनि. २७

Akal Bodhan Pooja (Bengal) Sat. 27

अकाल बोधन पूजा, कल्पारम्भ (बंगाल प्रदेश) शनि. २७

Navpatrika Pooja (Bengal) Sun. 28

नवपत्रिका पूजा (बंगाल प्रदेश) रवि. २८

Bhanu Saptami Sun. 28

भानु सप्तमी रवि. २८

Shri Saraswati Poojan (Begins) Mon. 29

श्री सरस्वती पूजन प्रारम्भ सोम. २९

Shri Durga Ashtami (Kanya Pooja) Mon. 29

श्री दुर्गा अष्टमी (कन्या पूजन) अष्टमी सुबह ०७:०९ प्रारम्भ सोम. २९

Masik Durga Ashtami Vrat Tue. 30

मासिक दुर्गा अष्टमी व्रत अष्टमी सुबह ०८:३६ तक मंग. ३०

Sandhi Pooja (Bengal)	Tue.	30
सन्धि पूजा (बंगाल प्रदेश)	मंग.	३०

Maha Navami (Navratri Ends)	Tue.	30
महानवमी (नवरात्रि समाप्त) (Canada)	मंग.	३०

OCTOBER 2025

DAY DATE

Ashvin - Kartik Mas

Samvat 2082

आश्विन मास - कार्तिक मास

संवत् २०८२

Maha Navami (India)	Wed.	01
महानवमी (भारत)	बुध.	०१

Maha Navami (Bengal)	Wed.	01
महानवमी, दुर्गा बलिदान, नवमी हवन (बंगाल प्रदेश)	बुध.	०१

Shri Saraswati Poojan (Ends)	Wed.	01
श्री सरस्वती पूजन समाप्त (सरस्वती विसर्जन)	बुध.	०१

Vijaya Dashmi (Dussehra)	Wed.	01
विजया दशमी, दशहरा (आयुध, शस्त्र पूजा)	बुध.	०१

Durga Visarjan, Sindoor Utsav	Wed.	01
दुर्गा विसर्जन, सिन्दूर उत्सव (बंगाल प्रदेश)	बुध.	०१

Navratri Vrat Parna	Wed.	01
नवरात्रि व्रत पारण	बुध.	०१

Mahatma Gandhi Jayanti	Thu.	02
महात्मा गांधी जयन्ती	गुरु.	०२

Vidyarambham Day	Thu.	02
विद्यारम्भ दिवस	गुरु.	०२

Madhvacharya Jayanti	Thu.	02
माधवाचार्य जयन्ती	गुरु.	०२

Papankusha Ekadashi Vrat **Fri. 03**

पापाङ्कुशा एकादशी व्रत (आश्विन मास शुक्लपक्ष) **शुक्र. ०३**

Padmanabha Dwadashi **Fri. 03**

पद्मनाभ द्वादशी **शुक्र. ०३**

Sani Pradosh Vrat **Sat. 04**

शनि प्रदोष व्रत (आश्विन मास) **शनि. ०४**

Mas Shivaratri 13 Vrat (Paush) **Sat. 04**

मासशिवरात्रि व्रत (आश्विन मास) **शनि. ०४**

Meerabai Jayanti **Mon. 06**

मीराबाई जयन्ती **सोम. ०६**

ShradPoornimaVrat(Satyanarayan) **Mon. 06**

शरद पूर्णिमा व्रत (सत्यनारायण)(आश्विन मास) **सोम. ०६**

(आज की रात गाय के दूध से बनी खीर चन्द्रमा की किरणों के समक्ष रखा जाता है।)

Tonight Kheer made from Cow's milk is placed in front of the moonlight.

Kartik Mas Begin **Tue. 07**

कार्तिक मास प्रारम्भ **मंग. ०७**

Kartik Snan (Bath) Begins **Tue. 07**

कार्तिक स्नान प्रारम्भ (कार्तिकमास कृष्णपक्ष) **मंग. ०७**

KartikTulsipoojan Deepdan (Begins) **Tue. 07**

कार्तिक तुलसी पूजन, मासिक दीपदान प्रारम्भ **मंग. ०७**

Maharshi Valmiki Jayanti **Tue. 07**

महर्षि वाल्मीकि जयन्ती **मंग. ०७**

Karva Chauth Vrat (Canada) **Thu. 09**

करवा चौथ व्रत (कार्तिकमास कृष्णपक्ष) (केनेडा) **गुरु. ०९**

Moonrise will happen at 7:52 in the evening

(चन्द्रोदय सायं ०७:५२ पर होगा)

Sankashti Ganesh Chaturthi Vrat संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत (वक्रतुण्डगणेश चतुर्थी व्रत)	Thu. गुरु.	09 ०९
Karva Chauth Vrat (India) करवा चौथ व्रत (कार्तिकमास कृष्णपक्ष) (भारत)	Fri. शुक्र.	10 १०
Bhanu Saptami भानु सप्तमी	Sun. रवि.	12 १२
Ahoi Ashtami (Punjab) अहोई अष्टमी (कार्तिकमास कृष्णपक्ष)	Mon. सोम.	13 १३
Radhaashtami Vrat (Jayanti) राधाष्टमी व्रत (राधा जन्मोत्सव) राधा कुण्ड स्नान	Mon. सोम.	13 १३
Kalaashtami Vrat (Bhairv Puja) कालाअष्टमी व्रत (भैरव पूजा)	Mon. सोम.	13 १३
Rambha Ekadashi Vrat (Kartik) रम्भा (रमा) एकादशी व्रत (कार्तिकमास कृष्णपक्ष)	Thu. गुरु.	16 १६
Govats Dwadashi गोवत्स द्वादशी	Fri. शुक्र.	17 १७
Sankranti (KartikMas) (Tula) संक्रान्ति (कार्तिकमास) (तुला राशी)	Fri. शुक्र.	17 १७
Shani Pradosh Vrat शनि प्रदोष व्रत (कार्तिकमास)	Sat. शनि.	18 १८
Dhan Trayodashi (Dhanteras) धन त्रयोदशी (धनतेरस) (चार बत्तियों वाला यम दीप दान)	Sat. शनि.	18 १८
Mas Shivaratri 13 Vrat(Kartik) मासशिवरात्रि व्रत (कार्तिकमास)	Sun. रवि.	19 १९
Hanuman Jayanti (HanumanJanam)	Sun.	19

हनुमान जयन्ती (हनुमान जन्म) (उत्तर भारत)	रवि.	१९
Narak Chaturdashi	Sun.	19
नरक चतुर्दशी (कार्तिकमास कृष्णपक्ष चतुर्दशी)	रवि.	१९
Kali Chaudas	Sun.	19
काली चौदस (कार्तिकमास कृष्णपक्ष चतुर्दशी)	रवि.	१९
Deepavali (Amavasya) (Kartik)	Mon.	20
दीपावली(अमावस्या)(गणेश-लक्ष्मी,दीप पूजा)(हनुमान दर्शन)	सोम.	२०
(चोपडा पर सरस्वती,कलम दावात पर काली,सिक्के पर कुबेर पूजा करें)		
(Warship Saraswati on Chopra, Kali on kalm (Pen) dawat, Kuber on coin)		
Shri Kamala Jayanti	Mon.	20
श्री कमला जयन्ती (महाविद्या)	सोम.	२०
Govardhan Pooja (Annkoot)	Tue.	21
गोवर्धन पूजा (अन्नकूट) (कार्तिक मास शुक्लपक्ष)	मंग.	२१
Gujarati New Year	Wed.	22
गुजराती नववर्ष (कार्तिकमास)	बुध.	२२
Sharad Ritu Ends	Wed.	22
शरद ऋतु समाप्त	बुध.	२२
Hemant Ritu Begins	Wed.	22
हेमन्त ऋतु प्रारम्भ	बुध.	२२
Bhai Dooj (Yama Dvitiya)	Wed.	22
भाई दूज (यम द्वितीया) (बहन के घर भोजन)	बुध.	२२
Chitragnapti pooja (Kalam- dawat pooja)	Wed.	22
चित्र गुप्त पूजा (कलम-दावात पूजा)	बुध.	२२
Vishvakarma Pooja (Punjab)	Thu.	23
विश्वकर्मा पूजा (पंजाब)	गुरु.	२३

Vainayki Ganesh Chaturthi Vrat वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत	Sat. शनि.	25 २५
Surya Shashthi Vrat Begins सूर्यषष्ठी व्रत आरम्भ (प्रथम दिन)	Sat. शनि.	25 २५
Labh Panchami (Gujarat) लाभ पञ्चमी (सौभाग्य पञ्चमी)	Sun. रवि.	26 २६
Surya Shashthi Vrat 2nd day सूर्यषष्ठी व्रत (द्वितीय दिन) (संध्या अर्घ्य)	Sun. रवि.	26 २६
Skand Shashthi (kumar Shashthi Vrat) स्कन्द षष्ठी (कुमार षष्ठी व्रत)	Mon. सोम.	27 २७
Surya Shashthi Vrat 3rd day सूर्यषष्ठी व्रत तृतीय दिन (प्रातः अर्घ्य व्रत पारणा)	Mon. सोम.	27 २७
Jalaram Bapa Jayanti जालाराम बापा जयन्ती	Tue. मंग.	28 २८
Gopashtami (Cow Pooja) गोपाष्टमी (सायं गाय को अलंकृत कर पूजा)	Wed. बुध.	29 २९
Masik Durga Ashtami Vrat मासिक दुर्गा अष्टमी व्रत	Wed. बुध.	29 २९
Shri Sheetala Ashtami Vrat श्री शीतला अष्टमी व्रत	Wed. बुध.	29 २९
Jagaddhatri Pooja (Bengal) जदध्दात्री पूजा (बंगाल प्रदेश) (कार्तिक मास शुक्लपक्ष) गुरु.	Thu.	30 ३०
Akashya Navami (Amala Pooja) अक्षय नवमी (आमला वृक्ष पूजन, आमला वृक्ष तट भोजन) गुरु.	Thu.	30 ३०
Sata Yuga	Thu.	30

सतयुग

गुरु. ३०

NOVEMBER 2025

DAY DATE

Kartik – Margsheersha Mas Samvat 2082

कार्तिक मास – मार्गशीर्ष मास संवत् २०८२

Shri Bheeshmpanchak Begins Sat. 01

श्री भीष्मपञ्चक आरम्भ (कार्तिक मास शुक्लपक्ष) शनि. ०१

HariPrabhodhaniEkadashiVrat Sat. 01

हरिप्रबोधनी एकादशी व्रत(देवुत्थान)(कार्तिक शुक्ल) शनि. ०१

Tulsi Vivah (Tulsi Marriage) Sun. 02

तुलसी विवाह (कार्तिक मास शुक्लपक्ष) रवि. ०२

Ravi Pradosh Vrat Sun. 02

रवि प्रदोष व्रत (कार्तिक मास) रवि. ०२

Yogeshwar Dwadashi Sun. 02

योगेश्वर द्वादशी (कार्तिक मास शुक्लपक्ष) रवि. ०२

Chaturmas Vrat Ends Sun. 02

चातुर्मास व्रत समाप्त (कार्तिक मास शुक्लपक्ष) रवि. ०२

Vishweshwara Vrat (Kashi Vishvnath Puja) Mon. 03

विश्वेश्वर व्रत (श्री काशी विश्वनाथ स्थापना दिवस) सोम. ०३

Shri VaikunthChaturdashi Vrat Mon. 03

श्री वैकुण्ठ चतुर्दशी व्रत सोम. ०३

Kashi Manikarnika Snan Tue. 04

काशी मणिकर्णिका स्नान (कार्तिक मास शुक्लपक्ष) मंग. ०४

Poornima (Kartik) (begin 12:06 pm) Tue. 04

पूर्णिमा (कार्तिक मास) (प्रारम्भ १२:०६ सायंकाल) मंग. ०४

Poornima Vrat (Satyanarayan) Tue. 04

पूणिमा व्रत (सत्यनारायण) (कार्तिकमास)	मंग.	०४
Dev Deepavali	Tue.	04
देव दीपावली	मंग.	०४
Pushkara Teerth Snan (bath)	Wed.	05
पुष्कर तीर्थ स्नान	बुध.	०५
Guru Nanak Jayanti	Wed.	05
गुरु नानक जयन्ती	बुध.	०५
Shri Bheeshmpanchak Ends	Wed.	05
श्री भीष्मपञ्चक समाप्त	बुध.	०५
Kartik Snan (bath) Ends	Wed.	05
कार्तिक स्नान समाप्त	बुध.	०५
KartikTulsipoojan, Deepdan (Ends)	Wed.	05
कार्तिक तुलसी पूजन, मासिक दीपदान समाप्त	बुध.	०५
Margsheersh Mas Begin	Thu.	06
मार्गशीर्ष मास प्रारम्भ	गुरु.	०६
Sankashti Ganesh Chaturthi Vrat	Sat.	08
संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत (गणाधिप गणेश चतुर्थी)	शनि.	०८
Shri KalbhairavJayanti(Ashtami)	Tue.	11
श्री कालभैरव जयन्ती (अष्टमी)	मंग.	११
Kalaashtami Vrat (Bhairv Puja)	Tue.	11
कालाअष्टमी व्रत (भैरव पूजन)	मंग.	११
Utpanna Ekadashi Vrat	Sat.	15
उत्पन्ना एकादशी व्रत (मार्गशीर्ष मास कृष्णपक्ष)	शनि.	१५
Sankranti (Margsheersh)Vrishchik	Sun.	16
संक्रान्ति (मार्गशीर्ष मास) (वृश्चिक राशी)	रवि.	१६

Som Pradosh Vrat	Mon.	17
सोम प्रदोष व्रत (मार्गशीर्ष मास कृष्णपक्ष)	सोम.	१७
Mas Shivaratri 13 Vrat(Margsheersh)	Mon.	17
मासशिवरात्रि व्रत (मार्गशीर्ष मास कृष्णपक्ष)	सोम.	१७
Amavasya (Margsheersh Mas)	Wed.	19
अमावस्या (मार्गशीर्ष मास) (स्नान-दान-श्राद्ध कर्म)	बुध.	१९
Vainayki Ganesh Chaturthi Vrat	Sun.	23
वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत	रवि.	२३
Shri Ram Vivah (Ram Marriage)	Tue.	25
श्री राम विवाह (विवाह पञ्चमी)	मंग.	२५
Skand Shashthi (kumar Shashthi Vrat)	Tue.	25
स्कन्द षष्ठी (कुमार षष्ठी व्रत)	मंग.	२५
Champa Shashthi (Maharashtra)	Tue.	25
चम्पा षष्ठी (महाराष्ट्र)	मंग.	२५
Mitra Saptami	Thu.	27
मित्र सप्तमी	गुरु.	२७
Masik Durga Ashtami Vrat	Fri.	28
मासिक दुर्गा अष्टमी व्रत	शुक्र.	२८
Mokshada Ekadashi Vrat	Sun.	30
मोक्षदा एकादशी व्रत (मार्गशीर्ष मास शुक्लपक्ष)	रवि.	३०
Shri Geeta Jayanti	Sun.	30
श्री गीता जयन्ती	रवि.	३०

DECEMBER 2025 DAY DATE
Margsheersh–Paush Mas Samvat 2082
मार्गशीर्ष मास - पौष मास संवत् २०८२

Matsya Dwadashi मत्स्य द्वादशी (मार्गशीर्ष मास शुक्लपक्ष)	Mon. सोम.	01 ०१
Bhaum Pradosh Vrat(Margsheersh) भौम प्रदोष व्रत (मार्गशीर्ष मास शुक्लपक्ष)	Tue. मंग.	02 ०२
Annag Tryodashi Vrat अनंग त्रयोदशी व्रत (मार्गशीर्ष मास शुक्लपक्ष)	Tue. मंग.	02 ०२
Pishachmochan Shraddh (Varanasi) पिशाचमोचन श्राद्ध (वाराणसी, काशी)	Thu. गुरु.	04 ०४
Shri Tripur Bhairavi Jayanti श्री त्रिपुर भैरवी (महाविद्या) जयन्ती	Thu. गुरु.	04 ०४
Dattatreya Jayanti दत्तात्रेय जयन्ती (मार्गशीर्ष मास शुक्लपक्ष)	Thu. गुरु.	04 ०४
Annapurna Jayanti (Varanasi) अन्नपूर्णा जयन्ती (काशी)	Thu. गुरु.	04 ०४
PoornimaVrat (Satyanarayan) पूर्णिमा व्रत (सत्यनारायण) (मार्गशीर्ष मास शुक्लपक्ष)	Thu. गुरु.	04 ०४
Paush Mas Begin पौष मास प्रारम्भ (पौष मास कृष्णपक्ष)	Fri. शुक्र.	05 ०५
Sankashti Ganesh Chaturthi Vrat संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत (अखुरथ गणेश चतुर्थी)	Sun. रवि.	07 ०७
Kalaashtami Vrat (Bhairv Puja) कालाअष्टमी व्रत (भैरव पूजा)	Thu. गुरु.	11 ११
Sankranti (PaushMas)(Dhanu) संक्रान्ति (पौष मास कृष्णपक्ष) (धनु राशी)	Mon. सोम.	15 १५
Kharmas Bgins	Mon.	15

खरमास प्रारम्भ (विवाहादि शुभकार्यों का खरमास में निषेध है)	सोम.	१५
Saphala (kamala) Eakadashi	Mon.	15
सफला (कमला) एकादशी (पौष मास कृष्णपक्ष)	सोम.	१५
Bhum Pradosh Vrat (Pausha)	Tue.	16
भौम प्रदोष व्रत (पौष मास कृष्णपक्ष)	मंग.	१६
Mas Shivaratri 13 Vrat (Pausha)	Wed.	17
मासशिवरात्रि व्रत (पौष मास कृष्णपक्ष)	बुध.	१७
Amavasya (Pausha Mas)	Fri.	19
अमावस्या (पौष कृष्ण पक्ष) (स्नान-दान-श्राद्ध कर्म)	शुक्र.	१९
Surya Uttarayan (Shortest Day of Year)	Sun.	21
सूर्य उत्तरायण (साल का सबसे छोटा दिन)	रवि.	२१
Hemant Ritu Ends	Sun.	21
<u>हेमन्त ऋतु समाप्त</u>	रवि.	२१
Shishir Ritu Begins	Sun.	21
<u>शिशिर ऋतु प्रारम्भ</u>	रवि.	२१
Vainayki Ganesh Chaturthi Vrat	Tue.	23
वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रत	मंग.	२३
Shri Skand Shashthi (Kumar)	Thu.	25
श्री स्कन्द षष्ठी (कुमार षष्ठी व्रत)	गुरु.	२५
Masik Durga Ashtami Vrat	Sat.	27
मासिक दुर्गा अष्टमी व्रत	शनि.	२७
Putrada Ekadashi Vrat (Pausha)	Tue.	30
<u>पुत्रदा एकादशी</u> व्रत (पौष मास शुक्लपक्ष)	मंग.	३०
Vaikuntha Ekadashi Vrat (Paush)	Tue.	30
<u>वैकुण्ठ एकादशी</u> व्रत (पौष मास शुक्ल पक्ष)	मंग.	३०

Tailang Swami Jayanti

तैलंग स्वामी जयन्ती

Tue. 30

मंग. ३०

Budh Pradosh Vrat (Pausha)

बुध प्रदोष व्रत (पौष मास शुक्लपक्ष)

Wed. 31

बुध. ३१

Kurma Dwadashi

कूर्म द्वादशी (पौष मास शुक्लपक्ष)

Wed. 31

बुध. ३१



✳ Procedures Observing Fasts on Seven Days Of the week ✳

सोमवार व्रत – शुक्ल पक्ष के सोमवार से शुरू करें, मानसिक शान्ति एवं पारिवारिक शान्ति हेतु शुभ फलदायक है। अधिक से अधिक जितना हो सके चंद्रमा के मंत्र का जप करें, । शिव-पार्वती की फूल, चावल, पंचामृत, धूप, दीप आदि से पूजा करें। खट्टा व नमक खाना मना है, सफेद भोजन जैसे चावल, खीर आदि एक समय खाएँ। सफेद वस्तु का दान करें, स्वयं भी सफेद वस्त्र व अन्य श्वेत द्रव्य का प्रयोग करें। कुल ५४ सोमवारों का व्रत करें। सोलह सोमवार व्रत भी किये जा सकते हैं। अन्तिम व्रत में साङ्गोपाङ्ग शिव पूजा करें, हवनादि कर्म करें, बालकों को भोजन करा सकते हैं।

Monday Fast- Start this fast on any Monday of Shukla Paksha. This fast is observed for mental peace and family happiness. Recite as much as possible Moon-mantra. Perform Shiv Parwati pooja with flowers, rice, lamp, incense and panchamrit etc. Take meals only once. Use of salt and pickles are prohibited. Wear white and donate white clothes. Observe 54 fasts. It is also useful to observe 16 Monday fasts only. Perform pooja and hawan methodically on the day of last fast. Distribute food among small boys.

मंगलवार व्रत– मानसिक व शारीरिक रोगों की निवृत्ति एवं क्रोध शमन के लिए शुक्ल पक्ष के मंगलवार से व्रत प्रारम्भ करें, २१ व्रत करें। गुड़ के हलवे का प्रसाद भोग लागायें, भक्तों को भी प्रसाद वितरण करें, नमक खाना वर्जित है, हनुमान जी की पूजा करें, लाल वस्त्र धारण करें, कम से कम सात माला मंगल के मंत्र का जप करें। हनुमान चालिसा का पाठ भी हितकर होगा। अन्तिम मंगल को विधिवत पूजा हवन कर २१ बालकों को भोजन करावें और मीठा भी खिलाना चाहिये।

Tuesday Fast-

This fast is observed for the cure of physical and mental ailments, particularly to suppress anger. Start fasting on any Tuesday of Shukla Paksha and observe 21 fasts. Distribute and take yourself prasad of gur and halwa. Wear red clothes. Perform pooja of Hanumanji and recite basic Mangal mantra for at least 7 times. It is also useful to recite Hanuman Chalisa. On the day of last fast, perform Mangal pooja methodically and serve sweet food to 21 young boys.

बुधवार व्रत– यह व्रत शुक्ल पक्ष के बुधवार से प्रारम्भ कर सकते हैं, बौद्धिक विकास के लिये, व्यर्थ की दौड़ धूप एवं मानसिक संकटों की निवृत्ति हेतु इस व्रत को करतें हैं। कुल ४५ व्रत करें, बुध के मंत्र की कम से कम सात माला जप करें। हरे रंग को अधिक प्रयोग में लायें एवं दान भी करें, मूंग के हलवे का प्रसाद वितरण करें। सूर्यास्त से पहले एक बार नमक रहित भोजन करें। अन्तिम बुधवार को विष्णु भगवान व गणेश जी की पूजा करें। बुध के मंत्र से हवन करें, बुध से संबन्धित दान करें, ब्राह्मणों को भोजन करायें।

Wednesday fast-

This fast is also to be started on the first Wednesday of Shukla Paksha for mental development and to avoid mental problems. In total 45 fasts are required. Recite at last 7 times the basic Buddha-mantra. Make an extra effort to use green color and distribute alms. Avoid taking salt and take food only once prior to sun-set. On the last day of the fast, pray to Lord Vishnu and Ganesha, perform hawan with Buddha-mantra, distribute food and money to Brahmins and the poor.

बृहस्पतिवार व्रत – यह व्रत पारिवारिक शुख शान्ति, सौभाग्य प्राप्ति, सन्तति लाभ, आध्यात्मिक प्रगति के लिये करना चाहिये। कुल १६ बृहस्पतिवार का व्रत करें। विष्णुभगवान की पूजा और बृहस्पति मंत्र का जप करें। पीले रंग की बनी वस्तुओं का दान करें और नमक रहित पीले खाद्यपदार्थों का भगवान को भोग लगाकर प्रसाद वितरण करें और स्वयं खाएँ। यह व्रत शुक्लपक्ष के प्रथम बृहस्पतिवार से शुरू करके अन्तिम बृहस्पतिवार तक किये गये मंत्र जप और विष्णुसहस्रनाम के द्वारा हवन करना चाहिये। ब्राह्मणों और संतों को भोजन तथा दक्षिणा देकर व्रत का समापन करना चाहिये।

Thursday Fast –

This fast is observed for family peace and happiness, good luck, meeting with saints and learned people and spiritual uplift. Observe a total of 16 fasts. Pray to Thursday Devata and recite Thursday-mantra. Distribute yellow coloured things. Consume yellow coloured food devoid of salt. Start fasting on the first Thursday of Shukla Paksha. On the last day of the fast, perform hawan with mantra and thousand Vishnu names. Complete the fast with the distribution of food and money to saintly people.

शुक्रवार व्रत – शुक्रवार का व्रत शुक्ल पक्ष के प्रथम शुक्रवार से पारिवारिक जीवन एवं गृह सुख शान्ति और गुप्त रोगों की निवृत्ति हेतु करना चाहिये। कुल २१ दिन व्रत करें कम से कम तीन माला शुक्रमंत्र का जप करना चाहिये। दूध, दही, चीनी, चावल का उपभोग व दान करना चाहिये। श्वेत वस्त्र पहनना चाहिये श्वेत चंदन का तिलक लगाना चाहिये। देवी की पूजा करनी चाहिये। खट्टा, नमक का सेवन न करें मिष्ठान्न भोजन करसकते हैं। शुक्र मंत्र से अंतिम शुक्रवार को हवन करना चाहिये खीर का प्रसाद वितरण करना चाहिये तत्पश्चात् स्वयं भी भोजन करें, सांसारिक सुख ऐश्वर्य के लिये यह व्रत उत्तम माना गया है।

Friday Fast –

The fast is observed for happiness and peace and to get rid of hidden ailments. Start this fast on the first Friday of Shukla Paksha. A minimum of 21 fasts are required. Recite at least three cycles of basic Shukra- mantra. Use and distribute milk, sugar, curd and rice etc. Wear white clothes and apply tilak of white sandalwood. It will also be useful to offer pooja to Devi mata. Take sweet meals only once avoiding salt and pickles. On the last day of the fast, perform hawan with the recitation of Shukra-mantra. Distribute to others and consume kheer prashad.

शनिवार व्रत – शनिवार का व्रत शुक्ल पक्ष से प्रारम्भ करके कुल ५१ व्रत रखना चाहिये। अन्तिम शनिवार को हवनादि कर्म करके तेल से बनें प्रसाद को दान करें और स्वयं भोजन करें। पदोन्नति, सांसारिक क्लेश निवृत्ति, मान वृद्धि, झगडा वाद विवादों की समाप्ति हेतु यह व्रत करना चाहिये। शनिवार को शनि देवता की पूजा करनी चाहिये, शनि मंत्र की सात माला जप करें। काले और नीले रंग का प्रयोग करें। नारियल, जूता, छाता, शीशा, लोहादि का दान करें हो सके तो पीपल को पानी देना चाहिये तेल से बनें पदार्थ कुत्ते को खाने के लिये देना चाहिये। हनुमान चालिसा व संकटमोचन का पाठ करना चाहिये।

Saturday Fast-

Start this fast on a Saturday of Shukla Paksha and observe 51 fasts. This fast is observed for the elimination of arguments, clashes and tensions in life. Offer pooja to Shani devata and recite at least 7 cycles of Shani Mantra. Use blue color extensively. if possible, water papal tree. Also distribute coconut, shoes, umbrella, mirror and items made of iron.

रविवार व्रत – सूर्य ग्रह की शान्ति के लिये चर्मरोग, नेत्र रोग तथा अन्य शारीरिक रोग, गले के रोगों से रक्षा के लिये किसी भी मास के शुक्ल पक्ष के प्रथम रविवार से व्रत प्रारम्भ करना चाहिये। एक वर्ष तक व्रत करें, व्रत के दिन सूर्योदय से पूर्व उठें, स्नानोपरान्त लाल चन्दन का तिलक करें, सूर्य मंत्र का जप करें, सूर्यको अर्घ्य दें। सूर्यास्त से पूर्व ही एक समय भोजन करें, नमक नहीं खाना चाहिये। व्रत के अन्तिम रविवार को हवन करें, ब्राह्मण भोजन व सूर्य की पूजा विधिवत करें, ताम्र पात्र व गेहूँ, रक्त वस्त्र पहनना और दान करना चाहिये।

Sunday Fast-

This fast is observed to please Sun and is useful for the cure of skin, throat, eye and other physical ailments. Begin this fast on any Sunday of Shukla Paksha of any month and continue fasting for one year. Get up prior to sun-rise on the fasting day. Apply tilak with red sandalwood after bath. Recite Sun-mantara and offer water (aragh) to the sun. Take food only once prior to sunset. Use of salt is prohibited. Perform hawan on the last day of the fast. Worship Sun methodically and offer food to Brahmins. Wear red coloured clothes and distribute red clothes, copper utensils and wheat on the day of last fast.

Astrological Significance of Weekdays

रविवार — राज्याभिषेक, उत्सव, यात्रा, नौकरी, क्रय-विक्रय, औषध सेवन व निर्माण, सोना-चांदी धातु कार्य, शिक्षा-दीक्षा, वस्त्र खरीदना, न्याय सम्बन्धी कार्य करना शुभ होता है।

Sunday:- Good day for coronation, festivities, travel, buying and selling, manufacture and taking of medication, metal work in gold-silver, education, initiation, buying clothes and for court (Justice) related activity.

सोमवार — नूतन वस्त्र और रत्न धारण, चीनी आदि भोज्य पदार्थ, यज्ञ करना, दूध दही घृत सम्बन्धी कृत्य, स्त्री प्रसंग, क्रय-विक्रय, गीत, नृत्य, पशु सम्बन्धी कार्य, फूल लगाना, अक्षरारम्भ, विद्यारम्भ आदि कृत्य सोमवार को करना शुभ होता है।

Monday- Good for wearing new clothes and gems, buying groceries, performing Yajana business related to dairy products, buying and selling, music and dance, work related to animals, planting of flowers and for starting education.

मंगलवार — अग्नि, चोरी, विष, शस्त्र, बन्धन, घात, शठता, दम्भ, पाखण्ड, सेना सम्बन्धी, धातु सोना, मूगा, वाद विवाद, अदालती

कार्य, जासूसी नीति कार्य करना आदि अच्छा है। मंगलवार को ऋण लेना अच्छा नहीं होता।

Tuesday – It is a good day to pay off loan, involve in political matters, legal issues and discussions, acts of bravery, to spy. It is not good to take loan on this day.

बुधवार– प्रशिक्षण कार्य, व्यापार, अध्ययन, कला, शिल्प, क्रीड़ा, सेवा वृत्ति, व्यायाम शुरू करना, सन्धिकार्य, विवाद, आदि कार्य शुभ हैं, किन्तु बुधवार को ऋण देना अच्छा नहीं होता।

Wednesday- Good for starting training, trade, learning, arts, sports and retirement. Also good for work related to marriage and compromise. Not a good day for lending money.

बृहस्पतिवार — धर्मानिष्ठानादि कार्य, ज्ञान विज्ञान चर्चा, यज्ञ विवाह, मांगल्य, सोना सम्बन्धी गृह कार्य, वस्त्र, यात्रा, रथ आदि की सवारी वाहन आदि क्रय-विक्रय नया पद ग्रहण, नवीन वस्त्र आभूषण धारण करना, ध्यान योग शुरू करना बृहस्पतिवार को श्रेष्ठ है।

Thursday- Good day for religious activities, scientific and intellectual discourses, travel, buying and selling a vehicle, accepting or joining a new post, wearing new clothes or jewellery and starting Dhyanyog or auspicious activity.

शुक्रवार — भूमि व्यापार, स्त्री सम्बन्धी संसर्ग, शय्या, मणि सुगन्धित द्रव्यों का क्रय विक्रय, फिल्म संगीत का कार्य शुरू करना, कृषि कार्य, प्रेम व्यवहार, ऐश्वर्य कार्य, उत्सव करना शुक्रवार को शुभ होते हैं।

Friday – Good for land deals, buying bedding or jewellery of gems, starting film music or love affair or festivities

शनिवार — गृह प्रवेश व निर्माण कार्य, नौकर रखना, लोहे आदि मशीनरी कार्य शुरू करना, लोहा, पत्थर, शीशा, अस्त्र-शस्त्र धारण करना, पाप कर्म, चोरी, गवाही, विषादि कृत्य प्रशस्त होते हैं।

Saturday- Good for building or entering a new house, hiring an employee, starting work with iron, stone or glass, using arms and ammunition, giving witness and for doing any inauspicious work.

सोमवार, गुरुवार, शुक्रवार और बुधवार: सभी कार्यों में शुभ होते हैं। रविवार, मंगलवार तथा शनिवार ये वार उपरोक्त कार्यों में ही शुभ माने जाते हैं।



Ways to observe fasts, festivals and other important days

Poornima (full-Moon)- Keep a fast and worship Lord Vishnu by a recital of Narayan, and if possible, recite Vishnu-Sahasra-nam and Purush-sukta.

Satya-Narayan Fast- In the early evening, worship Lord Narayan through sixteen offerings. Recite and listen to the legends of Lord Narayan. After worship and prayers, distribute with devotion and faith sacred food (Prasad) among the gathered friends and relatives followed by a Preeti-Bhoj.

Makar-Sankranti (first day of month Magh)- Special merit is obtained by a bath either at Haridwar or Triveni. Recite mantra “Om Namo Bhagavate Vasu-devaya”. Give away balls made of sesame seeds.

Sankat Shree Ganesh Chaturthi- Keep a fast and worship Lord Ganesh. End the fast by offering (aargha) to the Moon at night. Offer sweet balls (Ladoos) to Lord Ganesh ji. Recite the following mantra by one rosary (Mala 108 beads) “Om Gangantaye Namah”.

Vasant-panchami- Worship Lord Vishnu and Goddess Saraswati in the morning with the recitation of appropriate mantras and offerings.

Shree Maha-Shivratri- Keep a fast from morning, recite Lord Shiv's name all day and keep awake all night. Offer four different worships to Lord Shiv with fruits, flowers, leaves and fruit of Bil plant. Take a bath on the following morning, offer food to Brahmins and finally end the fast. Through this fast and worship one attains Lord Shiva's realm.

Holi- Celebrate with joy the colorful and pure festival of Holi. In the evening holika is offered to fire while praying for release from all sins and other diseases.

Chaitra Shukla prati-pada (Navratri)- This is the start of the new year and the first day of the spring Navratras (nine nights). This day is regarded as very auspicious. Worship Lord Brahma and other gods. Lord Ganesh, Mother Goddess Durga and Brahmins. After installing a ceremonial water vessel (Kalash Sthapana), engage in worships and recitals up to the day of Ram-Navami. Surely the rest of the year will bring you comfort and happiness.

Shree Durga Ashtami- Offer special worship to Mother Goddess and young maidens. Perform a Havan as an offering to Mother Durga.

Shree Ram-navami- Offer worship to Lord Ram at noon. One obtains supreme state by keeping a fast, reciting Lord Ram's name, and by a recital of Ram-charit-manas.

Akshaya Tritiya- This day is regarded as auspicious which bestows success by itself for all actions performed that day.

Nirjala Ekadashi- Keep a fast without even sipping water. Worship Lord Vishnu and recite Vishnu sahasra naam.

Ganga Dashami- If possible, take bath in the Ganges. Otherwise bow to holy river Ganges.

Vyas (Guru)Poornima- Worship Sage Vyas-dev-jee. Pray to your Gurus and Scriptures by offering flowers, fruits and donations. Remember and bow to Bhagawan Vyas regarded as Lord Vishnu.

Raksha-bandhan- Sister should tie Rakhi on her brother's hand and offer him sweets strengthening pure relationship of a brother and sister.

Shree Krishna Janmashtami- Keep a fast as a mark of respect for Lord Krishna. Worship him according to the scriptures with the offering of butter and crystallized sugar (mishri). Celebrate the occasion with great joy, mirth and enthusiasm at midnight. Recite as many times as possible the Krishna mantras throughout the day.

“Shree Krishna Govind Hare Murare. Hey Nath Narayan Vasudev”.

“Hare Krishna Hare Krishna Krishana Krishana Harey Harey.”

Vinayak Chaturthi Vrat- Keep a fast for Lord Shree Ganesh and worship him with offerings of fruits, flowers and sweet balls (ladoos). Recite the Ganpati mantra.

Pitra Paksh (Shraddhapaksh)- Everyday during this period remember your (past) ancestors and offer them prayers. On the day of new moon (Amavasya) offer prayers to all fore fathers and ancestors.

SharadNavratri- Starting with the first of the bright fortnight in the month of Ashvin, install the ceremonial water (Kalash Sthapana) and worship Mother Goddess up to the eighth or ninth day of this fortnight. One attains intelligence, peace and comfort by worship of young maidens and by recitals of any of the following mantras with full faith and devotion to Mother Goddess “ Om Aim Hrim Klim Chamundai Vicchi” or jay Ma Jay Ma or Durga saptsati path.

Vijay Dashami- All (good) actions carried out this day are generally successful. On this auspicious day Lord Ram is worshipped, prayed and meditated upon to obtain his blessings and favour. The day Ram routed Ravan.

Karava Chauth – For the attainment of long and continuous married life filled with peace and happiness in the family, married women should keep a fast without even sipping water. They should worship Lord Ganesh, Lord Shiv and Mother Gauri with the recitals of the Shiv-Ganesh-

Gauri Mantras. In the evening, they should recite the legend connected with this occasion. At the moon-rise they should end their fast after offerings to the moon, then bow to their husbands and take evening meal.

Kartik Krishan (Narak) Chaturdashi (Shree Hanuman Janam)- Celebrate this great occasion with great enthusiasm and worship shree Hanuman jee with devotion and with chanting of the Hanuman mantra. With the grace of Shree hanuman, one attains happiness in life by reciting Shree Hanuman Chalisha or any other prayer in praise of Lord Hanuman.

Hanuman Mantra:

“Om Ram Dutay Vidmahey, Vayu putray Dheemahi, Tanno Hanumn pracho dyat.”

Kartik Amavasya (Deepawali)- In the evening , worship Ganesh, Mother Mahakali-Maha Lakshmi-MahaSaraswati, Lord Kuber-Vahi-Vasna and Shree Ramchandrajee. Thereafter distribute sweets and try to light the lamp of knowledge, faith and devotion both within yourself and outside.

Pradosh Vrat-

The Pradosh of Shani, Som and Bhaum are considered more auspicious. Those desirous of salvation, worldly pleasures and good progeny should keep a fast and worship Lord Shiv including ceremonial bathing of Lord Shiv (Shiv Abhshek).

Sankranti- On the every first day of the Hindu (son) month give donations at an auspicious time as prescribed in panchang. Offer prayers to God and listen to the name of the new month pronounced by an able Brahman. Distribute consecrated food.

Ekadashi Vrat- Every Ekadashi has a separate name. Try to gain victory over eleven senses (five of action, five of perception and mind) by keeping fast with no intake of grain while engaged in worship to Lord Narayan.

Maha Shiv Ratri Vrat- This is the fast of Shiv-ratri to be observed on the fourteenth day of the dark fortnight every month. It is considered as extremely favorable if one worships Lord Shiv and recites “Om Namah Shivay.”

🔱 Lagan and Rashi Phal 🔱

卐 ।। द्वादश लग्नों एवं राशियों का फल ।। 卐

मेष लग्न- मेष लग्न (राशि) का स्वामी मंगल है। जातक का मध्यम कद, मुख का वर्ण लाल अथवा गेहूँआ होगा। राशिपति मंगल की स्थिति शुभ होने से रक्तवर्ण नेत्रों वाला, चंचल एवं उग्र स्वभाव, अत्यन्त साहसी, सतर्क एवं महत्वाकांक्षी होगा। जातक उद्यमी, तीव्र बुद्धि, स्वतन्त्र विचारों वाला, अस्थिर किन्तु तेज स्मरण शक्ति वाला, अत्यधिक उत्साही, स्पष्टवादी एवं भ्रमणप्रिय व्यक्ति होगा। प्रायः अपने परिश्रम के बल पर आय एवं धन के साधन जुटा लेगा। सगे सम्बन्धियों की ओर से सहायता व सुख कम होगा। यह राशि चर और अग्नि तत्त्व प्रधान होने के कारण मेष राशि (लग्न) का जातक परिवर्तनशील प्रकृति, अस्थिर स्वभाव तथा शीघ्र क्रोधित हो जाने वाला एवं शीघ्र मान जाये। व्यवसाय में अनेक कठिनाईयों के उन्नति के लिए प्रयास करता रहता है। जायदाद एवं व्यवसाय में कई प्रकार के झंझट (उलझनें) आती हैं और इन्हीं कामों के द्वारा लाभ भी होता रहता है। पित्त, कफ, सिर दर्द, रक्त विकार, नेत्र विकार, त्वचा आदि रोगों का भय रहता है। मंगल शुभ होने पर जातक को खेल-कूद व संगीतादि में भी विशेष शौक रहता है। सामान्यतः मूंगा मेष लग्न वालों के लिए शुभ रहता है, परन्तु योग्य ज्योतिषी से परामर्श के बाद धारण करना चाहिए। भाग्योदयकारक वर्ष १६, २२, २८, ३२, ३६वें होंगे।

वृष लग्न — वृष लग्न का स्वामी शुक्र है। यदि शुक्र शुभ हो तो जातक सुन्दर, सुगठित शरीर व मध्यमकद वाला होगा। गोल, बड़ी व चमकदार आँखें, सुन्दर वर्ण एवं आकर्षक व्यक्तित्व वाला होगा। जातक परिश्रमी, हँसमुख एवं सौम्य प्रकृति वाला, धीर, शान्त एवं दृढ़ स्वभाव का होता है। जातक उदारहृदय, प्रसन्नहृदय और प्रभावशाली व्यक्ति होगा। स्वावलम्बी,

उच्चाभिलाषी तथा भौतिक सुखों के लिए कठोर परिश्रम से भी पीछे नहीं हटेगा। जातक मधुरभाषी, सौन्दर्य प्रेमी, संगीत कला-साहित्यादि कार्यों में विशेष रुचि रखने वाला होगा। घर-दफ्तर आदि स्थानों पर सजावट रखेगा तथा ऐश्वर्य साधनों में निरन्तर वृद्धि करते रहने का प्रयास करेगा। जातक प्रायः अपनी इच्छानुसार ही कार्य करने वाला, ऐश्वर्ययुक्त जीवनयापन का इच्छुक, विपरीत योनि वालों के साथ मैत्री करने का आकांक्षी, व्यवहार कुशल तथा कठिन परिस्थितियों में भी अपना कार्य निकालने में कुशल होगा। जातक प्रायः चन्द्र-बुध की स्थिति शुभ होने पर कामर्स, गणित, बैंकिंग, एक्टिंग, वस्त्र एद्योग, क्रय-विक्रय आदि में सफलता प्राप्त कर लेता है। शुभ रत्न हीरा है। भाग्योदयकारक वर्ष २८, ३६, ४२, एवं ४८वें होंगे।

मिथुन लग्न- मिथुन लग्न का स्वामी बुध है। मिथुन लग्न वाला जातक, गौरवर्ण, चंचल आँखों वाला, सामान्य एवं ऊँचे कदवाला होगा। जातक अस्थिर किन्तु मौलिक विचारों से युक्त, तीव्र बुद्धि, परिवर्तनशील प्रकृति, मित्रों को हर प्रकार से सहायक तथा नीति के अनुसार आचरण करने वाला तर्क-वितर्क करने में कुशल, दूर-दूर के स्थानों की यात्राएँ करने का सौभाग्य प्राप्त करेगा। जातक में बुद्धि तत्त्व एवं भाव तत्त्व दोनों प्रबल होने के कारण पठन-पाठन, कानूनी कार्य, व्यापार सम्बन्धी और लेखन सम्बन्धी कार्यों को बड़ी गम्भीरता से करेगा, मजबूत हृदय वाला परन्तु नर्म स्वभाव होने के कारण कमजोर समझा जाता है। द्विस्वभाव होने से एक ही समय पर एक से अधिक कार्य शुरू करने की प्रवृत्ति रहेगी, अपने कार्य-क्षेत्र (व्यवसाय) में प्रायः परिवर्तन करता रहता है तथा प्रायः अपने परिश्रम, बुद्धि एवं चातुर्य के बल पर जीवन में सफलता प्राप्त कर लेगा। नए-नए मित्र बनाने में कुशल, बातचीत करने की कला में निपुण होगा। क्रय-विक्रय, पुस्तक-लेखन, लेखाकर, बैंक, वकालत, अध्यापन, इंजीनियरिंग, कल-पुर्जे के कार्य-व्यवसाय में सफलता प्राप्त हो सकती है। शुभ रत्न पन्ना है, स्त्रियों के लिए पुखराज भी अच्छा होगा। भाग्योदयकारक वर्ष २२, ३२, ३५, ३६, ४२, ४२ वें होंगे।

कर्क लग्न- कर्क लग्न का स्वामी चन्द्रमा है। जल तत्त्व प्रधान एवं चर राशि होने से जातक सुन्दर एवं आकर्षक मुखाकृति, गोल चेहरा और मध्यम कद होगा। चन्द्र-मंगल शुभ हो तो जातक बुद्धिमान, संवेदनाशील, भावुकहृदय, न्यायप्रिय व दयालु स्वभाव वाला होगा। सामान्यतः, परिवर्तनशील स्वभाव, चंचल, जलीय वस्तुओं का प्रिय, उच्च कल्पनाशील, समयानुकूल काम निकालने में कुशल, मिलनसार प्रकृति होगी। यदि चन्द्रमा अशुभ हो तो चिड़चिड़ा स्वभाव, वातावरण से शीघ्र प्रभावित होने वाला होगा। प्राकृतिक सौन्दर्य, कला-संगीत व साहित्य में विशेष रुचि रखे तथा सौन्दर्यानुभूति भी विशेष रूप से रहे। ऐसा जातक परिस्थितानुसार ढल जाने वाला, प्यार सम्बन्धों में सच्चा, ईमानदार और सहृदय दयालु प्रकृति का होगा। ऐसा जातक दिल से जिस काम को करना चाहे कर ही लेता है। कल्पना शक्ति प्रबल होती है, अन्य पुरुष के भावों को शीघ्र समझ लेने की विशेष क्षमता होती है। कर्क राशि वालों को मकर, वृश्चिक, मीन राशि वालों के साथ मित्रता शुभ रहती है। शुभ नग सफेद मोती तथा सफेद पुखराज है। भाग्योदयकारक वर्ष २४, २५, २८, ३२, ३६, ४० होंगे।

सिंह लग्न- सिंह लग्न का स्वामी सूर्य है। इस लग्न में जन्म लेने वाला जातक सुन्दर-पुष्ट शरीर वाला, चौड़ा मस्तक, सुगठित, आकर्षक एवं प्रभावशाली व्यक्तित्व वाला होगा। जातक बुद्धिमान, उद्यमी, कर्मठ, निडर, स्वतन्त्र विचारों वाला, पराक्रमी, व्यवहार कुशल, नीति के अनुसार आचरण करने वाला, उच्चाकांक्षी, खानपान का शौकीन देश-विदेश में भ्रमण करने वाला, शीघ्र क्रुद्ध हो जाने की प्रकृति होने पर भी अपने बुद्धि-चातुर्य से स्थिति को सम्भाल लेने वाला होगा। छोटी-छोटी एवं मामूली बातों को उपेक्षा की दृष्टि से देखने वाला होगा तथा बड़े-बड़े कामों को भी अपने उद्यम द्वारा पूरा करने से तत्पर हो जाएगा। भाई-बन्धु होने पर भी उनका सुख कम रहता है। उच्चाभिलाषी होने के कारण प्रत्येक कार्य व्यवसाय को बड़े पैमाने एवं उच्चतर पर करना पसन्द करेगा। उच्चस्तरीय, वैभवशाली एवं रईसी जीवन-यापन करने की प्रबल इच्छा रखेंगे जिसके कारण अपनी सीमा से बढ़कर भी खर्च कर डालते हैं। इस लग्न वाले जातक का बाह्य रूप में आकर्षक रूप एवं अच्छा स्वास्थ्य रहता है। शुभ रत्न माणिक्य है। सिंह लग्न वालों को सूर्य उपासना करनी चाहिए। भाग्योन्नति वर्ष १६, २२, २४, २६, २८, ३२ होते हैं।

कन्या लग्न- कन्या लग्न वाले जातक का मध्यम कद, कोमल शरीर सुन्दर व आकर्षक आँखें, लम्बी नाक, वाणी तेज और बारीक होगी। जातक प्रियभाषी, हर कार्य में सहायक, लज्जाशील प्रकृति, नर्म स्वभाव और नीति के अनुकूल काम

करने वाला होगा। कल्पनाशील, सूक्ष्मदर्शी, एवं संवेदनशील स्वभाव होगा। शान्तचित्त एवं एकान्तप्रिय प्रवृत्ति होगी। परन्तु कठिन एवं विपरीत परिस्थितियों में भी स्वयं को ढालने का सामर्थ्य होगा। एक ही समय पर अनेक यात्राएँ एवं विषयों में पारंगत होने की चेष्टा करेगा। संगीत, कला एवं साहित्य की ओर विशेष दिलचस्पी रखेगा। द्विस्वभाव एवं परिवर्तनशील प्रकृति होने के कारण एक विषय पर चिरकाल तक स्थिर नहीं हो पाता। बुध-शुक्र का शुभ योग होने से लेखा-गणित, संगीत, कला, अध्यापन, लेखन, क्रय-विक्रय आदि की ओर विशेष झुकाव रहेगा तथा सफलता भी होगी। धन की अपेक्षा बौद्धिक कार्यों में विशेष रुचि रहती है। बुद्धिमान, तीव्र स्मरणशक्ति एवं अध्ययनशील प्रकृति होगी। शुभ रत्न पन्ना है। भाग्योन्नतिकारक वर्ष २५, ३२, तथा ३५, ३६, ४२ वर्ष होते हैं।

तुला लग्न- तुला लग्न का स्वामी शुक्र है। तुला लग्न में उत्तपन्न जातक श्वेत व सुन्दर वर्ण, मध्यम अथवा लम्बा कद, सौम्य एवं हंसमुख प्रकृति होगी। जातक / जातिका न्यायप्रिय, हंसमुख, व्यवहारशील एवं नीति के अनुसार कार्य करने में कुशल होगा। ईमानदार, मिलनसार, नए-नए मित्र बनाने में कुशल होगा। सौंदर्यानुभूति विशेष होगी, संगीत, कला, नाट्य की ओर विशेष झुकाव होगा। रहन-सहन का ढंग रईसी एवं प्रभावपूर्ण होगा। जातक पर संगीत का प्रभाव जल्दी होगा। चन्द्र-शुक्र शुभ हों, तो मानसिक एवं कल्पनाशक्ति प्रबल होगी, परन्तु मन की केन्द्रिय शक्ति बहुत देर तक नहीं रहती। जब तक किसी कार्य में लगा रहे तब तक दिलोजान और मजबूत दिल से करे, परन्तु अपने विचार व योजना में परिवर्तन करने में भी शीघ्र तैयार हो जायेगा। जातक को देश-विदेशों में अनेक स्थानों पर भ्रमण करने के भी अवसर प्राप्त होते हैं। बुद्धिमान, तर्कशील, सावधान एवं सतर्क रहने वाला, मध्यस्थता एवं न्याय करने में कुशल, विपरीत योनी के प्रति विशेष झुकाव रखे। इनको हीरा अथवा श्वेत मोती शुभ रत्न है। जोकि किसीसुयोग्य ज्योतिषी के परामर्शानुसार धारण करने चाहिए। जीवन के २५, २७, ३२, ३३, ३५ एवं ४७ वें वर्ष भाग्य वृद्धिकारक होंगे।

वृश्चिक लग्न - वृश्चिक लग्न (राशि) का स्वामी मंगल है। इस लग्न में उत्पन्न जातक सुन्दर मुख वाला, परिश्रमी, अपने सामर्थ्य पर ही भरोसा करने वाला, धार्मिक प्रवृत्ति होगी। मंगल शुभ हो तो उत्साही, उदार, परिश्रमी, साहसी, ईमानदार, स्पष्टवादी, परोपकारी, व्यवहारकुशल, कर्तव्यनिष्ठ, दृढ़ संकल्प शक्ति वाला होगा। भाई बहनों अथवा सम्बन्धियों की सहायता कम मिलती है, निजी पुरुषार्थ द्वारा ही निर्वाह योग्य आय के संसाधन जुटा पाते हैं। तनिक विरुद्ध बात हो जानें पर शीघ्र उत्तेजित हो जाएंगे, परन्तु सच्चाई अथवा सुपात्र की दृष्टि से सुयोग्य जन की सहायता करने में अपने स्वार्थ की भी बलि देने से पीछे नहीं हटेंगे। जातक जिस कार्य को करने का निश्चय कर लेता है, उसे दृढ़तापूर्वक पालन करने का प्रयास करता है। कैमिष्ट, इंजिनियर, वकील, पुलिस, सेनाविभाग, अध्यापन, ज्योतिष, अनुसंधानकर्ता, के क्षेत्र में विशेष सफलता प्राप्त करेंगे। शुभ रत्न मूंगा है। शुभ रंग लाल, संतरी, पीला हल्का गुलाबी है। अपनी आयु के २४, २८, ३२, ३६, ४४ वें वर्ष विशेष भाग्योन्नतिकारक होंगे।

धनु लग्न - धनु लग्न का स्वामी गुरु है। इस लग्न में उत्पन्न जातक का ऊँचा मस्तक, कान बड़े, लग्न भाव में क्रूर ग्रह होने की स्थिति में सिर में अल्पबाल अथवा गंजा हो सकता है। गुरु-बुध की स्थिति शुभ हो तो सौम्य एवं शान्त, सरल स्वभाव, धार्मिक प्रवृत्ति, उदार हृदय, परोपकारी, संवेदनशील, करुणा-दया आदि भावनाओं से युक्त होगा। दूसरों के मनोभावों को जान लेने की विशेष क्षमता होगी, इस लग्न से प्रभावित व्यक्ति में बौद्धिक एवं मानसिक शक्ति की प्रबलता के साथ-साथ अश्व जैसी तीव्रता, उत्साह एवं उत्तेजना से कार्य करने की क्षमता होगी। द्विस्वभाव राशि के कारण शीघ्र कोई निर्णय नहीं ले पाएँ और इनको क्रोध जल्दी नहीं आता, परन्तु जब आता है तो देर तक क्रोधित रहते हैं। अग्नि तत्त्व प्रधान होने के कारण कठिन से कठिन समस्याओं को अपने सब्र, साहस एवं परिश्रम के द्वारा सुलझा लेंगे तथा निजी पुरुषार्थ द्वारा जीवन के हर क्षेत्र में उन्नति करने वाला, धन, सम्पदा, भूमि-जायदाद व सवारी आदि सुखों को प्राप्त करने में सफल होगा। मंगल-गुरु शुभ हो तो उच्च व्यावसायिक विद्या के योग हैं। शिक्षक, धर्म-प्रचारक, राजनीति, वैद्य-डाक्टर, वकील, पुस्तक व्यवसाय आदि के क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी। शुभ रत्न पुखराज है। अपनी आयु के २३, २७, ३२, ३६ वें वर्ष विशेष भाग्योन्नतिकारक होंगे।

मकर लग्न- मकर लग्न(राशि) का स्वामी शनि है। इस लग्न (राशि)में जन्म लेने वाले जातक का मध्यम कद, नयन नक्शा तीखे, सुन्दर मुखाकृति, काले घने बाल एवं पतली कमर वाला होगा। जातक गम्भीर,भावुक हृदय,संवेदनशील,उच्चाभिलाषी, सेवाधर्मी,मननशील,एवं धार्मिक प्रवृत्ति वाला होगा। बुध व शुक्र शुभ होने पर व्यवहार-कुशल, गहन विचार एवं सूक्ष्म विश्लेषण के पश्चात ही महत्व पूर्ण निर्णय लेते हैं। क्षमाशील प्रायः कम होते हैं तथा इन्हें बदले एवं शत्रुता की भावना भुला पाना अत्यन्त कठिन होता है। चर राशि एवं लग्न होने से जातक की मानसिक एवं आत्मिक शक्ति प्रबल होगी। गुरु-शनि शुभ हो तो, जातक नर्म स्वभाव, विनयशील,व्यवहार-कुशल, नीति के अनुकूल आचरण करने वाला, तर्क शील,भली-बुरी बात की पहचान करने में कुशल, विश्वसनीय, मित्रता स्थापित करने में तथा इमानदार होंगे। तर्क - वितर्क करने में कुशल, अपने विरुद्ध बात को हृदय से भुला पाना कठिन होता है। खांसी तथा वायु रोग से सावधानी बरतें। शुभ रत्न नीलम है। भाग्योन्नति वर्ष २२,२४,२८, एवं ३२,४६ होते हैं।

कुम्भ लग्न - लानेश (राशिपति) शनि शुभ अवस्था में हो तो जातक मध्यम अथवा ऊँचे कद वाला, सुन्दर प्रभावशाली व्यक्तित्व होगा। बुद्धिमान, साधन सम्पन्न, तीव्र स्मरण शक्ति एवं गम्भीर प्रकृति वाला होगा। दूसरों के प्रति दयाभाव रखने वाला परोपकारी मित्रों एवं सगे सम्बन्धियों के लिए हर प्रकार से सहायक होगा। व्यवहार कुशल, मिलनसार, स्पष्टवादी एवं निस्वार्थ भाव से सेवा करने में तत्पर होगा। जातक स्वाभिमानी, स्वतन्त्रताप्रिय एवं नए-नए मित्र बनाने में भी पीछे नहीं हटेगा। उद्योगी, उद्यमी,परिश्रमी प्रकृति एवं प्रबन्धत्मक योग्यता विशेष होगी एवं उपयुक्त साधन उपलब्ध होने पर देश-विदेशों में जाने के सुअवसर प्राप्त होंगे। महत्त्वकांक्षी होते हुए भी क्रियात्मक दृष्टिकोण रखेंगे तथा अनेक विघ्न-बाधाओं व कठिनाइयों के होने पर भी जीवन में उच्च स्थिति, धन पदादि प्राप्त करने में सफल होंगे। कुम्भ लग्न में यदि गुरु मित्र क्षेत्री या शुभ में हो तो जातक उच्चाधिकारी, उत्तपदासीन, क्रय-विक्रय, प्रोफेसर, जज-वकील अथवा उच्च एवं धनी-व्यापारी होगा, प्रारम्भिक जीवन में आर्थिक क्षेत्र में विशेष संघर्ष व कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। शुभ रत्न नीलम है। स्त्रियों के लिए पुखराज नग शुभ होगा।

मीन लग्न - मीन लग्न (राशि) का स्वामी गुरु है। मीन लग्न में उत्पन्न जातक बुद्धिमान, गम्भीर एवं सौम्य प्रकृति, परोपकारी कार्य करने में तत्पर, ईमानदार, सत्यप्रिय, धार्मिक, धर्म-कर्म एवं फिलास्फी, साहित्य एवं गूढ़ विद्याओं की ओर विशेष अभिरुचि रखेगा। उच्चाभिलाषी, उच्चकांक्षी एवं स्वाभिमानी प्रकृति, अपनी मान-मर्यादा एवं प्रतिष्ठा का विशेष ध्यान रखें। सेवाभाव रखने वाला, तीव्र बुद्धि, परिश्रमी, उद्यमी, दूरदर्शी, व्यवहार कुशल एवं नीति के अनुसार आचरण करने वाला, विश्वसनीय, ईमानदार तथा हर प्रकार से मित्रों एवं सगे -सम्बन्धियों के लिए सहायक होगा। पर न तो अन्याय करेंगे न ही किसी भांति अन्याय को सहन करेंगे। जातक कलाकार, चल-चित्र, व्यवसाय, खाने-पीने की वस्तुओं से सम्बन्धित, समाज सुधारक, अध्यापन सम्बन्धी कार्यों में सफल होते हैं। शुभ रत्न पुखराज है। शुभ वैवाहिक जीवन के लिए पन्ना रत्न धारण करें। भाग्योन्नति कारक वर्ष २४,२८,३३,३८,४५ वर्ष होते हैं।

॥ श्राद्ध - तर्पण का महत्व ॥

हमारी हिन्दु - संस्कृति में पुत्र के लिये अपने माता - पिता की सेवा एवं उनकी आज्ञा का पालन करना महत्वपूर्ण एवं सर्वश्रेष्ठ धर्म माना गया है। श्रुति का कथन है- मातृदेवो भव । पितृदेवो भव । आचार्य देवो भव । (तैत्ति० १।२२।२)

“माता को देवता माननेवाला बनो, पिता को देवता मानो, आचार्य को देवता समझो।” पद्मपुराण में लिखा है -

जो पुत्र किसी अंग से हीन, दीन, वृद्ध, दुखी तथा महान् रोग से परवृत्त माता - पिता को त्याग देता है, जो पुत्र कटु वचनों द्वारा माता - पिता की निन्दा करता है, जो पुत्र माता - पिता को प्रणाम नहीं करता वह नरक में निवास करता है।

दूसरी ओर माता-पिता की आज्ञा पालन एवं उनकी सेवा करने वालों की सद्गति एवं सुख प्राप्त करने के भी सहस्रों प्रमाण शास्त्रों में भरे पड़े हैं -
पिता धर्मः पिता स्वर्गः पिता ही परमं तपः पितरि प्रीतिमापन्ते प्रीयन्ते सर्वदेवताः ॥

पिता ही धर्म है, पिता ही स्वर्ग है और पिता निश्चय सर्वोत्कृष्ट तपस्या भी है। पिता के प्रसन्न हो जाने पर सम्पूर्ण देवता प्रसन्न हो जाते हैं। संत गोस्वामी तुलसीदास जी ने रामायण में कहा है-

मातु पिता गुरु प्रभु के वाणी । विनहिं विचार करि सुभ जानी ॥ (मानस १।७६।२)

माता - पिता की सेवा तो जीवन पर्यन्त करनी चाहिये, परन्तु उनकी मृत्यु के पश्चात् उनके निमित्त श्राद्ध एवं तर्पण करना भी नितान्त आवश्यक परमधर्म है। पितरों के निमित्त किया हुआ तर्पण एवं श्राद्ध निश्चित रूप से उन्हें मिलता है, इसमें किसी तरह की भी शंका नहीं है। नाम - गोत्रों के

सहारे विश्वेदेव एवं अग्निष्वात आदि दिव्य पितर पितरों को हव्य - कव्य की प्राप्ति करा देते हैं । श्रद्धा भक्ति पूर्वक किये हुए श्राद्ध को पितर अवश्य ग्रहण करते हैं ।

मार्कण्डेय पुराण में पितरों की स्तुति करते हुए रूचि ने कहा है -

येषां हुतेऽग्नौ हविषा च तृप्ति - ये भँजते विप्रशरीरसंस्था । ये पिण्डदानेन मुदं प्रयान्ति तृप्यन्तु तेऽस्मिन् पितरौऽन्नतोयैः ॥

जिन पितरों की तृप्ति अग्नि में हविष्य का हवन करने से होती है, जो ब्राह्मण के शरीर में स्थित होकर भोजन करते हैं और जो पिण्ड दान से प्रसन्न होते हैं, वे पितृगण श्राद्ध में मेरे द्वारा दिये गये अन्न - जल से तृप्त हों ।

श्रद्धापूर्वक किये जाने के कारण ही इसका नाम “श्राद्ध” है । श्राद्ध में दूध, दही, घी, खीर, आदि श्रद्धापूर्वक देने के कारण इसका नाम “श्राद्ध” पड़ा है । श्रद्धापूर्वक श्राद्ध करने वाले के कुल में क्लेश नहीं आता है । श्राद्ध न करने से होने वाली हानि के विषय में धार्मिक ग्रन्थ कहते हैं-

जलेनापि च न श्राद्धः शाकेनापि करोति यः । अमायां पितरस्तस्य शापं दत्त्वा प्रयान्ति च ॥ (कूर्मपुराण)

जो उचित तिथि पर जल से अथवा शाक से भी श्राद्ध नहीं करता, उसके पितर अमावस्या के दिन उसे शाप देकर वापिस लौट जाते हैं ।

याज्ञवल्क्य कहते हैं-

आयु प्रज्ञां धनं विद्यां स्वर्गं मोक्षं सुखानि च । प्रयच्छन्ति तथा राज्यं नृणां प्रीताः पितामहाः ॥

मनुष्यों के पितर लोग श्राद्ध तृप्त होकर आयु, प्रज्ञा, धन, विद्या, स्वर्ग, मोक्ष एवं अन्य सभी सुख देते हैं ।

भगवान् श्री राम ने वनवास - काल में भी अपने पिता दशरथ जी के लिये श्राद्ध एवं तर्पण किया था । वन में उनके पास फल - फूल के अतिरिक्त कुछ नहीं था । अतः उन्होंने पिताजी से फल-फूल देते हुए प्रार्थना की कि “ आप इन फल-फूलों से ही संतुष्ट होंवें ।” मार्कण्डेय पुराण में लिखा है

तस्माच्छ्राद्धं नरो भक्त्या शाकैरपि यद्याविधि । कुर्वीत कुर्वतः श्राद्धं कुले कश्चिन्न सीदति ॥

मनुष्य के पास यदि कुछ भी न हो तो केवल शाक से ही विधिपूर्वक श्राद्ध करने वाले के कुल में कोई क्लेश नहीं पाता । विष्णुपुराण में यहां तक लिखा है -

न मेऽस्ति वित्तं न धनं च नान्यच्छ्राद्धोपयोग्यं स्वपितृन् नतोऽसमि । तृप्यन्तु भक्त्या पितरो मयैतौ कृतौ भुजौ वर्त्मनि मारुतस्य ॥

श्रद्धालु को सभी वस्तुओं के अभाव में घर में अपनी दोनों भुजाओं को ऊपर उठा कर कह देना चाहिये कि मेरे पास श्राद्ध के योग्य न धन है और न दूसरी वस्तु है, अतः मैं अपने पितरों को प्रणाम करता हूँ । वे मेरी भक्ति से ही तृप्ति लाभ करें । **त्रीणि श्राद्धे पवित्राणि दौहित्रः कुतपस्तिलाः ।**

त्रीणि चात्र प्रशंसन्ति सत्यमक्रोधमार्जवम् ॥

अर्थात् श्राद्ध में दौहित्र (लड़की का पुत्र - नाती), कुतप वेला (मध्याह्न काल) तथा तिल ये तीन अत्यन्त पवित्र हैं । इसी प्रकार श्राद्ध कर्ता आदि को भी चाहिए कि वे सत्य, अक्रोध एवं सरलता (छलछद्म का अभाव) का अवश्य पालन करें । इन्हीं सबसे पितरों की संतुष्टि एवं अक्षय तृप्ति होती है और श्राद्धकर्ता को भी पूरा फल मिलता है ।

पं ० रविन्द्र नारायण पाण्डेय

६१३-२२८-१३०५

Om Jaya Jagadisha Hare Arti

Om Jai Jagadish Hare Swami Jaya Jagadish Hare
Bhakta janon ke sankat Kshan me door kare. Om Jai--
Jo dhyave phal paave Dhukh vinashe man ka
Swami dhukh vinashe man ka
Sukha sampati Ghar aave Kashht mite tan ka. Om Jai--
Mata pita tum mere Sharan padun mai kis ki
Swami sharan padum mai kis ki
Tum bina aur na doojaa Aash karun mai kis ki. Om Jai--
Tum pooran Paramatma Tum Antaryaami
Swami Tum Antaryaami

Para brahma Parameshwara Tum sabke Swami. Om jai-
Tum karuna ke saagar Tum palan karta
Swami Tum palan karta
Mai sevak tum swaami Kripa karo bhartaa. Om Jai--
Tum ho ek agochar Sab ke prana pati
Swami sab ke prana pati
Kisi vidhimiloon dayamaya Tum komai kumati. Om Jai-
Deena bandhu dukh hartaa Tum rakshak mere
Swami tum rakshak mere
Apne hath uthao Dwar khada mai tere. Om Jai--
Vishaya vikar mithao Paap haro deva
Swami paap haro deva
Shraddha bhakti badhao Santan ki seva.
Tan man dhan sab kuch hai tera Swami sab kuch hai tera
Tera tujh ko arpan Kya laage mera
Om Jai Jagadish Hare Swami Jai Jagadish Hare Bhakta
janon ke sankat Kshan me door kare. Om Jai—

Aarti Hanuman Lalaki

Aarti Ke Jai Hanuman Lalaki.
Dusht dalan Raghunath kalaki. Aarti Ke Jai...
Jaakay bal say giriwar kaapay,
Roog doosh jakay nikat na jhankay.
Anjani putra maha balli daayee,
Santan kay prabhu sada sahaye. Aarti Ke Jai...
Day beeraa Raghunath pataway,
Lanka jaaree seeya soodi laayee
Lanka so koti Samundra Seekhaayee,
Jaat pawansut baran layee
Lanka Jaari Asur Sanghaaray,
Seeya Ramjee kay kaaj sawaray. Aarti Ke Jai...

**Lakshman moor chet paray Sakaaray,
Aani Sajeewan praan ubaaray
Paitee pataal toori jam kaaray,
Ahi Ravana kee bujaa ukhaaray
Baayay bujaa asur dhal maaray,
Dahinay bujaa sant jan taray. Aarti Ke Jai...
Sur nar Muni arati utaray,
Jai jai jai Hanuman ucharaay
Kanchan thaar Kapoor loo chaayee,
Aaarati karat Anjani maayee
Jo Hanuman kee Aaarati gaaway,
Basee Baikoontha param pad paaway. Aarti Ke
Jai...**

Aarti Sree Satya Narayan ji ki

Jay Lakshmi Ramna, Jay Lakshmi Ramana .
Satya Narayan Swami, Jan Patak Harana.
Ratn Janet Sinhasan Adabhutchabe Rajai.
Narad Karatnerajan Ghanta Dhvni Bajai. (Jay)
Pragat Bhayai Kali Karan Dwij ko Daras Diyo.
Burao Brahaman Banke Kanchan Mahal kio. (Jay)
Durbal Bheel Katharo, Jinpar Kripa Kari.
Chandra Choor Eak Raja, Tinkee Vipta Hari(Jay)
Vaishya Manorath Payo Shraddha Taj Deene.
So Fal Bhogyo Prabhu Jee Fir Styti Keenhi. (Jay)
Bhav Bhakti Ke Karan Chin Chin Roop Dharyo.
Shraddha Dharan Keene, Tinko Kaj Saryo. (Jay)
Gval Bal Sang Raja Van Mee Bhakti Kari.

Manvanchit Fal Deenho Deen Dayal Hari. (Jay)
Charat Prasad Savayo Kadlee Fal Meva.
Dhoop Deep Tulse Se Raji Saty Deva.(Jay)
Sree Satyanarayan Jee Ki Aarti Jo Koyi Nar Gavai.
Bhagatdas Tan-Man Shukha Sampate
Manvanchit Fal Pavai.
Jay Lakshmi Ramna, Jay Lakshmi Ramana .

॥ प्रार्थना ॥

कर्पूर गौरं करुणावतारं संसारसारं भुजगेन्द्रहारं ।
सदा वसंतं हृदया रविन्दे, भवंभवानी सहितं नमामि ॥

Karpura Gauram Karunavataram,
Sansarsaram Bhujagendraharam |
Sada Vasantam Hridayaravinde,
Bhavam Bhavani Sahitam Namami ||
त्वमे माता च पिता त्वमेव, त्वमेव बन्धुश्च सखा त्वमेव ।
त्वमेव विद्या द्रविणं त्वमेव, त्वमेव सर्वं मम देव देव ॥

Twameva Mata Cha Pita Twameva,
Twameva Bandhush Cha Sakha Twameva |
Twameva Vidya Dravinam Twameva,
Twameva Sarvam Mam Deva Deva ||
ॐ द्यौः शान्तिरन्तरिक्षं गूं शान्तिः, पृथ्वी शान्तिरापः,
शान्तिरोषधयः, शान्तिः वनस्पतयः, शान्तिः विश्वेदेवाः,
शान्तिः ब्रह्म शान्तिः, सर्वं गूं शान्तिः, शान्तिरेव शान्तिः,
सामा शान्तिरेधिः । ॐ शान्तिः । ॐ शान्तिः । ॐ शान्तिः ।

Om Dhyauhu Shanti Rantariksha Gung Shantihi,
Prithvee Shantirapah Santiroshdhayah Shantihi |

Vanaspatayah Shantirvishve Devaha Shantirbrahma
Shantihi, Sarva Gung Shantihi Shantireva Shantihi Sama
Shantiredhi || Om Shantihi ! Shantihi ! Shantihi !

शंख मध्यस्थितं तोयं भ्रामितं देवतोपरि ।

अंगलग्नं मनुष्याणां सर्वपापं व्यपोहति ॥

Shankhmadhyasthitam Toyam Bhramitam Devtopari |
Anglaganam Manusyanam Srwapapam Vypohati ||
जलेन शीतली करणं । आत्मा भिवन्दनं । देवताभिवन्दनं ।
देवता आरार्ति अर्पणम् ।

Om Jalen Sheetlee Karnam | Aatmabhivandanam |
Devatabhivandanam | Devata Aararti Arpanam ||
यानि कानि च पापानि जन्मान्तर कृतानि च ।
तानि सर्वाणि नश्यन्ति प्रदक्षिण पदे पदे ॥

Yanikani Cha Papani Janmantar Kritani Cha |
Tani Sarvani Nashyanti Pradakshin Pade Pade ||
पापोऽहं पापकर्माऽहं पापात्मा पाप संभवः ।
पाहि मां सर्वदा मातः सर्वपाप हरा भव ॥

Papoham Papkarmaham Papatama Pap Sambhvah |
Pahi Mam Sarvada Matah Sarva Pap Hara Bhava ||
अन्यथा शरणं नास्ति त्वमेव शरणं मम् ।
तस्मात्कारुण्य भावेन रक्ष रक्ष परमेश्वरी ॥

Anyatha Sharnam Nasti Twameva Sharanam Mam |
Tasamatkarunya Bhaven Raksh Raksh Parmeshvri ||
नमः सर्व हितार्थाय जगदाधार हेतवे ।
साष्टांगोऽयं प्रणामस्ते प्रयत्नेन मया कृतः ॥

Namaha Sarvahitarthay Jagdadar hetve |
Sashtangoyam Pranamste Praytnen Maya Kritah ||
आवाहनं न जानामि न जानामि तर्वाचनं ।
पूजां चैव न जानामि क्षमस्व परमेश्वरी ॥
Aavahanam Na Janami Na Janami Tavarchanam |
Poojam Chava Na Janami Kshmasva Parmeshvari ||
मंत्रहीनं क्रियाहीनं भक्तिहीनं महेश्वरी ।
यत्पूजितं मयादेवि प्रसीद परमेश्वरी ॥
Mantrahinam Kriyahinam Bhaktihinam Maheshvri |
Yatpujitam Maya Devi Prasad Parmeshvari ||
गतं पापं गतं दुःखं गतं दारिद्र्यमेव च ।
आगताः सुख सम्पत्तिः पुण्याश्च तवदर्शनात् ॥
Gatam Papam Gatamdukham
Gatamdaridryameva Cha |
Aagtah Sukh Sampti
Punyashcha Tavadarshanata ||
यदक्षरं पदभ्रष्टं मात्राहीनं च यत् भवेत् ।
तत्सर्वं क्षम्यतां देवि प्रसीद परमेश्वरी ॥
Yadakshar Padabhrastham,
Matrahinam Cha Yad Bhaveta |
Tatsarvam Kshamyatam Dev,
Prsida Parmeshvari ||
प्रमादात् कुर्वतां कर्म प्रच्यवेताध्वरेषु यत् ।
स्मरणा देव तद् विष्णोः सम्पूर्णं स्यादिति श्रुतिः ॥
Pramadat Kurvatam Karam,

Prachyavetadhvreshu Yat |

Smarnadeva Tad Vishnoha,

Sampuranam Syaditi Shrutihi ||

यस्य स्मृत्या च नामोक्त्या तपो पूजा क्रियादिषु ।

न्युनं सम्पूर्णतां यातु सद्यो वन्दे तमच्युतम् ॥

Yasya Smritya Cha Namoktya Tapo pooja kriyadishu |

Nunam Sampurnatam Yatu Sadyo Vande Tamchutam ||

ॐ विष्णवे नमः । ॐ विष्णवे नमः । ॐ विष्णवे नमः ।

Om Vishnve Namh | Om Vishnve Namh | Om Vishnve Namh |

अच्युतं केशवं रामनारायणं, कृष्णदामोदरं वासुदेवं हरिम् ।

श्री धरं माधवं गोपिका वल्लभं, जानकीनायकं रामचन्द्रं भजे ॥

Achutam Keshvam Ramnaraynam,

Krishnadamodaram Vasudevam Harim |

Shridharam Madhavam Gopikavallabham,

Jankinayakam Ramchandram Bhaje ||

धर्म की , जय ॥ Dharam ki, Jay Ho |

अधर्म का , न ॥ Adharm ka, Nash Ho ||

प्राणियों में , सद्भावना हो ॥ Praniyo Me, Sadbavna ho ||

विश्व का , कल्याण हो ॥ Vishva Ka, Kalyan Ho ||

हरSS हरSS महादेव ॥ Har Har Mahadev ||

कायेनवाचा मनसेन्द्रियैर्वा बुध्यात्मना वानुसृतस्वभावात् ।

करोमि यद्यत् सकलं परस्मै नारायणायेति समर्पयामि ॥

Kayenvaca Mansendriyairva

budhyatmna vanusritsvbhavat

Karoti Yadyat Sakalam Pasmai

Narayneti Samrpyetat ||

ॐऽसर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः ।

सर्वे भद्राणि पश्यन्तु माऽऽ कश्चिद् दुःख भाग्भवेत् ॥

Sarve bhavantu sukhinah, Sarve santu niramayah.

Sarve bhadraṇi paśhyantu Ma kaśchid dukh-bhagbhavet.

हे प्रभो! सभी सुखी हों, सभी निरोग हों, संसार में सभी सुख का आनन्द लें,

किसी को भी दुःखी नहीं देखूं, किसी को कोई दुःख नहीं हो ।

May everyone be joy ful, May everyone without disease,

May everyone enjoy happiness,

May no one be subject to sorrow.



महामृत्युञ्जय मन्त्र-

ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिम् पुष्टिवर्द्धनम् । उर्वारुकमिव बन्धनान् मृत्योर्मुक्षीय मामृतात् ॥

Mahamrutunjay Mantra-

Om Tryambakam Yajamahe Sugandhim Pushti varddhnam,

Urvaruka miva Bandhanan Mrutyor muksiya Mamrutat

गायत्री मन्त्र –

ॐ भू भुवः स्वः तत्सवितुर्वरेण्यं । भर्गो देवस्य धीमहि, धियो यो नः प्रचोदयात् ॥

Gayatri Mantra-

Om bhur bhuvah svah, tat savitur varenyam,

Bhargo devasya dhimahi dhiyo yo nah praco dayat.

Meaning: We meditate on that God's Glory who has created the universe, who is fit to be worshipped, who is the embodiment of knowledge and light, who is the remover of all sins and ignorance. May He enlighten our intellects.

ॐ सर्व मंगल मांगल्ये शिवे सर्वार्थसाधिके । शरण्ये त्र्यम्बके गौरि नारायणि नमोऽस्तुते ॥

Om Sarv Mangal Mangalye, Shive Sarvarth Sadhike |

Sharanye Tryambake Gauri Narayani Namoastu Te ||

या देवि सर्व भूतेषु लक्ष्मीरूपेण संस्थिता, नमस्तस्यै, नमस्तस्यै, नमस्तस्यै, नमोनमः ॥

Ya Devi Sarva Bhuteshu Lakshmi Rupen Samashita,

Namahatasyai, Namahatasyai, Namahatasyai, Namonamaha ॥



मातृ देवो भव । पितृ देवो भव । आचार्य देवो भव । (तैत्तिरीय १।२२।२)



एक दृष्टि में सन् २०२५-२६ ई० में संक्रान्ति, एकादशी, प्रदोष, सत्यनारायण, ग. चतुर्थी, अमावस्या, पर्व

An overview of Fast & Festivals 2025-2026

Month 2025-26	मास २०२५-२६	संक्रान्ति Sankranti	एकादशी व्रत Ekadashi Vrat	प्रदोष व्रत Prad osh	सत्यनारायण व्रत Satyanaray an Vrat	गणेश चतुर्थी Ganesh Chaturthi	अमावस्या Amavasya
January 2025	जनवरी	१४ (माघ) 14 Maagh	10,25	11,27	13	17	29
February	फरवरी	१२ फाल्गुन 12 Falgun	8,24	10,25	12	16	27
March	मार्च	१४ चैत्र 14 Chaitra	10,26	11,27	13,14	17	29
April	अप्रैल	१३ वैशाख 13 Vaishakh	8,24	10,25	12	16	27
May	मई	१४ ज्येष्ठ 14 Jyeshth	8,23	9,24	12	16	27
June	जून	१५ आषाढ़ 15 Aashadh	6,27	8,23	10,11	14	25
July	जुलाई	१६ श्रावण 16 Shravan	6,21	8,23	10	14	24
August	अगस्त	१६ भाद्र 16 Bhadra	5,19	6,20	8	12	23
September	सितम्बर	१६ आश्विन 16 Ashvin	3,17	5,19	7	10	21
October	अक्टूबर	१७ कार्तिक 17 Kartik	3,17	4,18	6,7	10	21
November	नवम्बर	१६ मार्गशीर्ष 16 Marg sheersh	2,15	3,17	5	8	20
December	दिसम्बर	१५ पौष 15 Paush	1,15,31	2,17	4	7	19
January 2026	जनवरी २०२६	१४ (माघ) 14 Maagh	14,29	1,16, 30	2,3	6	18
February	फरवरी	१३ फाल्गुन 13 Falgun	13,27	14	1	5	17
March	मार्च	१४ चैत्र 14 Chaitra	15	1,16, 30	2,3	6	19

Acharya Pt. Ravindra Narayan Pandey Ph. (613) 228-1305 Cell. 613-216-7575

ॐ सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः । सर्वे भद्राणि पश्यन्तु माऽऽ कश्चिद् दुःखं भाग्भवेत् ॥

Om Sarve bhavantu sukhinah, Sarve santu niramayah. Sarve bhadraṇi paśhyantu Ma kaśchid dukh-bhagbhavet.